



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २०]

नई दिल्ली, शनिवार, मई २७, १९७८ (ज्येष्ठ ६, १९००)

No. २०] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 27, 1978 (JYAIKTHA 6, 1900)

इस भाग में चिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अप्रैल 1978

सं० ए ३२०१३/१/७७-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कें० स० से० संबंधी के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को उक्त सेवा के ग्रेड १ में प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए या आगामी प्रावेशों तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्रम	नाम	अवधि
सं०		
सर्वे/स्त्री		
१. श्रावण श्रावण अहर	३०-४-७८ से आगामी आदेशों तक	
२. एल० बी० शिनार्टे	१६-४-७८ से १५-७-७८ तक	
३. प्रीतम लाल	१६-४-७८ से १५-७-७८ तक	

प्र० ना० मुख्यर्जी,
प्रबन्ध सचिव

(2927)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

स० ए-३५०१८/१५/७७-प्रशासन-५—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतदद्वारा, पश्चिम बंगाल पुलिस उप-निरीक्षक श्री सुनीत चौधरी को दिनांक १ मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आवेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनेल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, विनांक 29 अप्रैल 1978

सं० O. II-1032/75-स्थापना—महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्स्नामार्ह नायक की 12-4-1978 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

नई दिल्ली, विनांक 6 मई 1978

सं० O. II-1038/75-स्थापना—महानिवेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ऊरा जैन को 5-4-1978 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 मई 1978

सं० O. II-1084/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर गुरदर्शन सिंह सरना को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में जी० झी० ओ० ग्रेड-II (झी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 17 मार्च 1978 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

विल मंत्रालय

(प्रर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 30 अप्रैल 1978

सं० 240/ए—दिनांक 13-2-78 के अम में सर्वेशी जे० एच० सम्यद और आर० व्येक्टरमन् को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-4-78 तक उन्हीं शतीं के साथ नियुक्त करते हैं।

झी० सी० भुखर्जी,
महा प्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अप्रैल 1978

क्रमांक प्रशा०I/का० आ० 8/5-5/प्रसोशन/78-79/24--
महालेखाकार हस कार्यालय के निम्नोक्त स्थायी अनुभाग अधि-

कारियो को आगे के आदेशों तक 3 अप्रैल 1978 से स्थानापन्थ रूप में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम

1. श्री बी० आर० ठाकुर

के० एच० छाया,

व० उप-महालेखाकार (प्र०)

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, विनांक 4 मई 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशा०-(राज०)/3371—राष्ट्रपति, श्री ओ० एन० ग्रानन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 4 जनवरी 1978 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/302-55-प्रशा० (राज०)/3365—राष्ट्रपति, कुमारी एस० के० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 4 जनवरी 1978 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० बै० शेषाद्रि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

श्राव्योगिक विकास विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, विनांक 3 मई 1978

सं० ए० 12011/5/77-झी० सी० एच० (व्यवस्था)II—भारत के राष्ट्रपति, श्री स्वप्न कुमार घोष को बुनकर सेवा केन्द्र, भागलपुर में 7 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए सहायक निदेशक ग्रेड I (रंगाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कु० आर० साह०

उप विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० प्र०-1/1(714)—राष्ट्रपति, उपनिवेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, युप 'ए' के ग्रेड II) श्री एन० शंकर को दिनांक 3-4-1978

से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानियुक्ति भारतीय सर्वेक्षण में पूर्ति नियुक्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड I) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री शंकर ने 30 मार्च 1978 के अपराह्न से पूर्ति नियुक्ति (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में, उप नियुक्ति का पदभार ओड़ दिया और 3 अप्रैल 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्ति, पूर्ति तथा निपटान, कानपुर का पद भार सम्भाल लिया है।

सं० प्र०-१/१(1105)—महानियुक्ति, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा नियुक्ति नियुक्ति, उत्तरी नियुक्ति मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में अधीक्षक श्री ज्ञान चन्द्र को दिनांक 10 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक नियुक्ति नियुक्ति, उत्तरी नियुक्ति मंडल, नई दिल्ली के ही कार्यालय में सहायक नियुक्ति (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-१/१(1121)—महानियुक्ति, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान नियुक्ति, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० आर० राजगोपालन को दिनांक 14 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उत्तरी कार्यालय में सहायक नियुक्ति (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1978

सं० प्र०-१/१(650)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानियुक्ति, नई दिल्ली में उपनियुक्ति पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) श्री एच०एल० अनेजा को दिनांक 21-3-78 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानियुक्ति, नई दिल्ली में नियुक्ति पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,
उप नियुक्ति (प्रशासन)
हृते महानियुक्ति, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान व्यूरो
नागपुर, दिनांक 2 मई 1978

सं० ए-19011 (198)/76-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आर० एम० रामानाथ को 10 अप्रैल के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान व्यूरो में वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मई 1978

सं० 3157/बी/40/59 (केएमजी)/19ए—हवाई रक्षा रेजिमेंट से परायतन पर श्री के० एम० गोस्वामी ने सहायक

प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में, भारतीय भूविज्ञानिक सर्वेक्षण में 1-4-1978 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानियुक्ति

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० 4-144/77/स्था—नियुक्ति, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री एस० एस० भट्टाचार्य को इस सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र, मैसूर में अस्थाई रूप से सहायक भाषाविद के पद पर 4 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 4-151/77/स्था—नियुक्ति, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, डा० (श्रीमती) शिवानी राय को, इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र, उदयपुर में, 28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक सहायक मानव विज्ञानी (सार्कुलिक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 4-146/77/स्थापना—नियुक्ति, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री पी०बी०बी०एस० पद्मनाथम को इस सर्वेक्षण में सहायक मानव विज्ञानी (भौतिक) के पद पर उत्तर पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में अस्थाई रूप से, अगले आदेशों तक, 23 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानियुक्ति

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1978

सं० 10/18/77-एस-तीन—डाक व तार विभाग (महाप्रबंध, दूरसंचार), हैदराबाद, आंध्र प्रदेश में परायतन पर श्री एस० एफ० आर० वियाबानी, सहायक हंजीनियर, आकाशवाणी, हैदराबाद को, 31-3-78 को आकाशवाणी से सेवा-मुक्त कर दिया गया।

हरजीत सिंह, प्रशासन उपनियुक्ति
हृते महानियुक्ति

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1978

सं० 10/101/61-एस-बी—महानियुक्ति, आकाशवाणी, श्री टी० एस० वैक्टेसन, लेखाकार (अकाउंटेंट), एच० पी० टी० आकाशवाणी, मद्रास को 3-4-78 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक

एच० पी० टी०, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सी० जी० श्रीनिवासन,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० ए-12026/2/78-प्र० I—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री चन्द्र भान गुप्ता, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 20-3-78 से 12-5-78 तक की अवधि का अवकाश प्रदान किए जाने पर श्री सागर चन्द्र जैन, अस्थाई व्यापार कार्यकारी को इसी विभाग में स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री जैन को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अधिकार नहीं देती। यह सेवा उस ग्रेड में वरीयता के मामले में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

इन्द्र राज सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 मई 1978

सं० ए-19012/11/70-प्रदर्शनी (प्र)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री आर० एन० खन्ना को दिल्ली स्थित इस निदेशालय में 29-3-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक बिल्कुल अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी (दृश्य) नियुक्त करते हैं।

एस० के० मुखर्जी,
उप निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० 6-26/75-प्रौष्ठ अनुभाग—राष्ट्रपति ने डा० एस० के० राय को 17 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला कलकत्ता में निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 6 मई 1978

सं० ए० 12026/27/77 (मुख्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने कुमारी एम० एम० रिवैलो, अनुसंधान अधिकारी, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को 11 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी व्यूरो में तदर्थ आधार पर उप सहायक महानिदेशक (अनुसंधान) के पद पर नियुक्त किया है।

2. उप सहायक महानिदेशक (अनुसंधान) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप कुमारी एम० एम० रिवैलो ने 11 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 10 मई 1978

सं० 6-8/77-प्रौष्ठ नियंत्रण—सेवा निवृति की आयु के उपरान्त सेवा अवधि में की गई वृद्धि समाप्त हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला, कलकत्ता के उप निदेशक डा० आर० चन्द्रा 17 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से सेवा सेवने वाले दिया है।

सं० ए० 12025/1/77-प्रौष्ठ नियंत्रण—राष्ट्रपति ने श्री के० वी० जोगी को 5 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला, कलकत्ता में फर्मांकॉलॉजिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

डा० (श्रीमती) दिपाली राय ने 5 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला, कलकत्ता में एसोसिएट फर्मांकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया है तथा उसी दिन से केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला, कलकत्ता से फर्मांकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री ए० के० खास्नोबिस ने उक्त तारीख से केन्द्रीय प्रौष्ठ प्रयोगशाला, कलकत्ता में एसोसिएट फर्मांकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन (सं० ब प०)

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० डी० 28016/1/77-एम०—अर्जित छट्टी पर जाने समय, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-I के एक अधिकारी डा० शशी के० पांडे ने 2 अगस्त, 1977 प्रपराह्न से केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची के निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

छट्टी से वापिस आने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-I के एक अधिकारी डा० शशी के० पांडे ने 4 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न को केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान रांची में निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० डी० बोहरा,
सहायक महानिदेशक

निदेशालय

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
विस्तार

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल, 1978

मि० सं० 2(10)/76-स्थापना(I)—सर्वे श्री एस० एल० धीर और जी० डी० गुलाटी की अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पदों पर की गई तत्वर्थ नियुक्तियां दिनांक 30 अप्रैल, 1978 से प्रागे 31 अगस्त, 1978 तक बनी रहेंगी।

दिनांक 3 मई, 1978

मि० सं० 2(11)/77-स्थापना (I) — सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) के रूप में श्री के० बी० नायर की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 28-2-78 से आगे 31-8-78 तक बनी रहेगी।

इन्द्रजीत कपूर,
निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग
विपणन एवं नियोजन निदेशालय
फरीदाबाद, दिनांक 3 मई 1978

सं० ए० 19023/3/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एस० बी० भसीन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19023/4/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री के० सूर्य-नारायण की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० 19023/5/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री आर० नरसिंहन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19023/8/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री ए० सी० विवेन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19023/21/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री जे० एन० राव की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19025/38/78-प्र० त०—इस निदेशालय की अधिकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री बी० ई० एडविन की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 17-7-78 तक या जब तक इस पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति होती है, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19025/62/78-प्र० त०—श्री राम शंख सिंह वरिष्ठ नियोजक को विपणन एवं नियोजन निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 25-4-78 (अपराह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/79/78-प्र० त०—श्री राम वीर सिंह यादव वरिष्ठ नियोजक को विपणन एवं नियोजन निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 25-4-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 8 मई, 1978

सं० ए० 19025/69/78-प्र० त०—श्री डी० एन० राव वरिष्ठ नियोजक को विपणन एवं नियोजन निदेशालय, गन्टूर में दिनांक 29-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 मई, 1978

सं० ए० 19025/63/78-प्र० त०—श्री बी० एन० के० सिंहा वरिष्ठ नियोजक को विपणन एवं नियोजन निदेशालय, पट्टना में दिनांक 29-4-1978 (अपराह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेद प्रकाश चावला, प्रशासन निदेशक
कृते कृषि विपणन सलाहकार

उत्तर पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० एन० ई० सी० 123/76—इस परिषद् सचिवालय के तारीख 23-7-76 की समसंख्यक अधिकृत अधिकृत के अनुक्रम में प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के स्थायी ग्रेड-3, सम्पादक के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सूचना के स्थानापन्न (तदर्थ) ग्रेड-1 अधिकारी, श्री सैयद अफताब अहमद, जो इस समय जन समर्क अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, को प्रतिनियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर 13-7-78 से 12-7-1979 तक एक वर्ष के सिए आगे बढ़ाई जाती है।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० एन० ई० सी०-71/77—इस परिषद् सचिवालय के तारीख 11-5-77 के समसंख्यक आदेश के क्रम में मुख्यालय, आई० जी० ए० आर०, शिलांग के अधीक्षक श्री ए० के० शर्मा की प्रतिनियुक्ति की अवधि, जो इस समय उत्तर पूर्वी परिषद् सचिवालय, शिलांग में अनुभाग अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति

है, इस परिषद् सचिवालय के उपर्युक्त आदेश में दी गई शर्तों पर 1-5-78 से एक वर्ष की अधिकारी के लिये और बढ़ाई जाती है।

के० एम० मिरानी,
सचिव

भाभा अटोमिक रिसर्च सेंटर

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, विनांक 4 जुलाई 1977

सं० पी० ए०/७३(II)/७८-आर-४—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा० समिपे ननजुनडिया श्रीनाथ को अस्थाई रूप से 15 जून १९७७ के अपराह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० पी० ए०/७९(6)/७७-आर-४—तारापुर परमाणु बिजली घर से तबादला होने पर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक उच्च श्रेणी लिपिक तथा उस बिजली घर के स्थानापन्न कार्मिक अधिकारी श्री जेरोम डी० कास्टा० भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (६५०-९६०) में स्थानापन्न रूप में 6 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न से आगले आदेशों तक एक अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 1 अक्टूबर 1977

सं० पी० ए०/७९(6)/७७-आर०-४—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्रीमती स्वामीनाथ सीकालक्ष्मी, एक स्थाई सहायक को, इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु ६५०-९६०) में स्थानापन्न रूप से, नीचे लिखे अनुसार एक अधिकारी नियुक्त करते हैं :

(i) विनांक 19 जुलाई 1977 पूर्वाह्न से 18 सितम्बर 1977 के अपराह्न तक तदर्थ आधार पर और

(ii) 19 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर

दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० पी० ए०/७३(1)/७७-आर-४—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० अनुपोज भगवती भीमलिंग अचारी को इस अनुसंधान केन्द्र की परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रान परियोजना, कलकत्ता में दिनांक 31 जनवरी 1978 के अपराह्न से आगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० पी० ए०/८७(6)/७७-आर-४—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री प्रमोद विनायक भागवत को, 24

नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से आगले आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से एक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उमीसकृष्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (आर)

बम्बई-400085, दिनांक 15 अप्रैल 1978

संदर्भ: पी०/७९(6)/७८-स्थाप०II/१५४९—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री के० पी० रमण पिलौ, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सिलेक्शन ग्रेड क्लर्क, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को दिनांक 6 अप्रैल 1978 (पूर्वाह्न) से आगले आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु ६५०-९६०) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(क्रय और भंडार निदेशालय)

बम्बई-400001, दिनांक 5 मई 1978

सं० क्र० भ० नि०/२११(२५)/७७-प्रशा०/१३७०—इस निदेशालय की समसंबंधिक अधिसूचना दिनांक 8 मार्च 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के श्रीन लूबाई हरिहर ऐयर कुलनन लेखाकार को, तदर्थ रूप में से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में 30 जून 1978 तक अथवा अप्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० ए० एम० डी०-१/१०/७७-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जे० के० शर्मा, लेखापाल, परमाणु खनिज प्रभाग, को इसी प्रभाग में, दिनांक 26-४-१९७८ को पूर्वाह्न से दिनांक 9-६-१९७८ तक के लिए, श्री डी० एस० ईतरानी सहायक लेखा अधिकारी, अवकाश प्रदत्त, के स्थान पर पूर्णतः अस्थाई स्थान पर नियुक्त करते हैं।

जिस तिथि को श्री डी० एस० ईतरानी कर्तव्यभार संभाल लेंगे, उसी तिथि से श्री जे० के० शर्मा लेखापाल के पद पर परावर्तित कर दिए जायेंगे।

सं० ए० एम० डी०-१/१०/७७-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, दिनांक 3-४-७८ पूर्वाह्न से 3-५-७८ तक के लिए श्री आर० एस० शर्मा, लेखापाल, परमाणु खनिज प्रभाग, को उसी विभाग में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में श्री के० एस० श्रीनिवासन, सहायक लेखा अधिकारी,

अवकाशप्रदत्त, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी स्थान पर नियुक्त करते हैं।

जिस तिथि से श्री के० एस० श्रीनिवासन कस्टम्बार संभाल लेंगे उस तिथि से ही श्री आई० एस० मोखा को लंखापाल के पद पर अवनत कर दिया जाएगा।

दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० ए० एम० डी०-२/२७२०/७७-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग ने श्री स्वप्न कुमार बिस्वास, अस्थायी विज्ञान अधिकारी/अभियन्ता (डिलिग) ग्रेड एस० बी० द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र, दिनांक 10-२-१९७८, पूर्वाह्न से, स्वीकार कर लिया है।

एस० रंगानाथन,
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 4 मई 1978

सं० ०५०००/ज-६२/२०५—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवाजी बाबूराव जाधव को भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में 4 अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए, अस्थाई हौर पर स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

बम्बई-400039, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० एपीए/प्रशा०/१६/८८/७८—परमाणु विद्युत प्राधिकरण के प्रध्यक्ष एवं मुख्य प्रबन्धक, श्री एच० एन० एस० गोड़ को, उनका तांडासा तारापुर परमाणु बिजलीघर से होने पर, परमाणु विद्युत प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय) में 27 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली,
मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
कृते अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबन्धक

सिविल इंजीनियरिंग द्वप

कलपक्कम-603102, दिनांक 21 अप्रैल 1978

सं० सी० ई० जी०/१(६)/७८-प्रशा०-पी-५३६८—मुख्य अभियन्ता (सिविल) सिविल इंजीनियरी वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनायें, कलपक्कम अस्थायी पर्यवेक्षको (सिविल) सर्वश्री पी० एस० गोपालन और आर० मूलनाथन को, 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलपक्कम में वैज्ञानिक अधिकारी/

इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० एस० बैंकटेम्बरन,
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-३८००५३, दिनांक 1978

सं० अ० उ० के० स्था०/संचार/ए० एफ० डी०/२६/७८—अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री के० बी० पटेल को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप में अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 4 मार्च 1978 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर,
प्रधान कार्मिक और सामान्य प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1978

सं० ए-३२०१३/८/७७-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक २७-६-७७ एवं १६-७-७७ की अधिसूचना सं० ए० ३२०१३/१७/७६ ई० सी० और दिनांक २९-८-७७ तथा १०-१०-७७ की अधिसूचना सं० ए-३२०१३/८/७७-ई० सी० के कम में राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित उपनिदेशकों/संचार नियन्त्रकों की नागर विमानन विभाग में तदर्थ पदोन्नति की अवधि को ३०-४-७८ के बाद उनके नाम के सामने दी गई तारीखों तक बढ़ा दी है:—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	जिस तारीख तक तदर्थ पदोन्नति की अवधि बढ़ाई है
-------------	-----	---------------	--

सर्वश्री

- एम० एस० कृष्णनन उपनिदेशक, डीजीसीए 29-६-७८ मुख्यालय, नई दिल्ली।
- एस० के० दास श्रेष्ठीय नियन्त्रक संचार, 28-६-७८ कलकत्ता।
- ए० एन० नाथ संचार नियन्त्रक, बी० २-६-७८ संचार स्टेशन।
- बी० के० कालरा नियन्त्रक, केन्द्रीय रेलियो भंडार डिपो, ३१-७-७८ नई दिल्ली।
- बी० एस० ग्रेवाल संचार नियन्त्रक, ए० ३१-७-७८ सी० एस०, कलकत्ता।

दिनांक 6 मई 1978

सं० ए 32013/1/78-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 5-4-78 की अधिसूचना सं० ए 32013/1/78-ई०सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री के० आर० रामानुजम की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 23-3-78 के बाद 6-5-78 तक बढ़ा दी है। यह नियुक्ति छूटी रिक्ति में श्री टी० आर० शास्त्री, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार निवेशन, बम्बई के स्थान पर है, जिन्हें प्रजित छुटियां मंजूर की गई हैं।

दिनांक 8 मई 1978

सं० ए-22015/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० एस० नेपाली, तकनीकी सहायक, जो इस समय प्रादेशिक सेना में प्रतिनियुक्ति पर हैं की दिनांक 6-1-76 (पूर्वाह्न) से और अन्य आवेश होने तक सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्म पदोन्नति की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—निवर्तन श्रावु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० तिरमलै, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं और उन्होंने दिनांक 31 मार्च, 1978 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-ई०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः मास की अवधि के लिए ग्रथवा पदों के नियमित प्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है:—

क्रम	नाम	तारीख	स्टेशन
सं०			
1.	श्री गोपाल सिंह	11-4-78	बाराणसी
2.	श्री एम० गोपाल	15-4-78	बंगलूर

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहरण

बम्बई-400020, दिनांक 5 मई 1978 31 मार्च को समाप्त होने वाली तिमाही

एस्टी/4/1977-78—दिनांक 21-2-1977 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232ए के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत 10,000/- रुपये या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम पते एवं अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5

—शूल्य—

क्रम सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
3.	श्री सी० जी० पर्गे	11-4-78	साँताकूज
4.	श्री वाई० एल० सोनी	11-4-78	दम दम
5.	श्री एम० एम०	12-4-78	बाराणसी
	भारद्वाज		
6.	श्री के० सी० विश्वास	11-4-78	दम दम
7.	श्री बी० बी० दिवेकर	11-4-78	अहमदाबाद
8.	श्री एस० मण्णन	15-4-78	तिरुचिरापल्ली
9.	श्री एस० एल० विश्वास	11-4-78	दम दम

दिनांक 3 मई 1978

सं० ए 32013/4/77-ई०—राष्ट्रपति ने श्री एम० एम० साईमन, प्रभारी अनुदेशक, ए० टी० एस० नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र को दिनांक 13 अप्रैल, 1978 से ग्रीष्म अन्य आवेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग तथा विमानक्षेत्र संगठन में स्थानापन्न रूप से उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के रूप में नियुक्त किया है। श्री साईमन को मुख्यालय में उपनिदेशक (विमान परिवहन) के रूप में तैनात किया जाता है।

बी० बी० जौहरी,
सहायक निवेशक प्रशासन

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 6 मई 1978

सं० 16/293/77-स्थापना-I—ग्राम्यका, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री भूषण लाल धर को दिनांक 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आवेशों तक सहर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर,

कुल सचिव

बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

II. विभागीय न्यायनिर्णय

क्रम सं०	उस अधिकार का नाम जिस पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत अधिकारी द्वारा 10,000 रु० या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लेख किया गया	दण्ड राशि	धारा 33 के अन्तर्गत न्यायनिर्णित शुल्क धारा 34 के माल का मूल्य जो जब्त किया जाना है	अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत जब्ती के स्थान पर अर्थदण्ड की राशि
----------	--	-----	--	-----------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
1.	श्री के० सरद्दा 159/३ कैवल फ्रासलेन सर्वेश्वरी सरद्दा नं० ६, बम्बई नं० ४००००२ के मालिक	धारा 6 के साथ पठित के० उ० श० नियम, 1944 का नियम १७४, नियम ९(१) के साथ पठित १७३-एफ, १७३ जी (१), ५२ ए के साथ पठित १७३जी (२) नियम ५३ तथा २२६ के साथ पठित १७३ जी (४)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम १९४४ के नियम १७३-श० ५२ ए० तथा २२६ के अधीन रु० २,००,०००/-	रु० १,९६८/-	रु० ४८६/-	
2.	सर्वेश्वरी फाइबरग्लास पोस्ट बाक्स नं० २११, लालबहादुर टेड शास्त्री मार्ग, थाने	के० उ० श० नियम, 1944 के नियम ५३ तथा २२६ तथा ४७ के साथ पठित नियम १७३ जी० (४)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम १९४४ के नियम १७३(४) के उल्लंघन के लिए नियम १७३ श० के अधीन रु० १,००,०००/-	३९,४७,२३०.१८	१,००,०००/-	
3.	सर्वेश्वी सुनील्स १२७, अरुण चेम्बर्स, इंटरनेशनल, बम्बई तारदेव, बम्बई-४०००३४	के० उ० श० नियम, 1944 के नियम ९(१) के साथ पठित नियम १७४, १७३ बी०, १७३ ए० (१), ५२ ए के साथ पठित १७३ जी० (२) ५३ तथा २२६ के साथ पठित १७३ जी० (४)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम १९४४ के नियम १७३ श० के अधीन रु० १०,०००/-	४५,०००/-	१०,०००/-	

जे० एम० वर्मी,
समाहृती केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

शुद्धि-पत्र

दिल्ली-12, दिनांक 5 मई 1978

सं० सं०-II (3) (I)/78-स्था०—केन्द्रीय राजस्व नियन्त्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित अधिसूचना नं० 15/1978 दिनांक 12-4-1978 की द्विसीरी तथा तीसीरी पंक्तियों में लिखे गये शब्द नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई के स्थान पर सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता पढ़ा जाए।

सं० 24/1978—श्री वी० डी० कंचागर, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई के स्थानान्तरण हो जाने पर दिनांक 31-3-78 (पू०) को उन्होंने उसी क्षमता से अंतर्नीय प्रयोगशाला, (सीमाशुल्क गृह) मार्माणिका में कार्यभार संभाल लिया है।

केशव प्रसाद
उप मुख्य रसायनक
केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1978

शुद्धि-पत्र

सं० ए-19012/663/77-प्रशासन-पांच—समस्याक—
अधिसूचना दिनांक 11 जनवरी, 1978 के पैरा 1 और 2 में तथा अधिसूचना संख्या ए-32014/1/77-प्रशासन-पांच दिनांक 28 फरवरी, 1978 के द्वारा क्रम सं० 3 के सम्मुख दी गई श्री डी० वी० रमाना शर्मा, सहायक अभियंता की नियुक्ति की तारीख 31/8/77 (अपराह्न) के स्थान पर 31/8/77 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाए।

दिनांक 9 मई 1978

सं० ए-32012/2/70-प्रशासन-पांच I—अधिसूचना सं० 19012/39/77-प्रशा०-पांच दिनांक 16 जनवरी, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री डी० एस० कलोटी की केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया अस्थायी आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के बेतनमान में दिनांक 11/5/1978 से 10/11/1978 तक 6 महीने की आगामी अवधि के लिए अध्यक्ष इस श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

जे० के० साहा
अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० 6/8/77-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों/रिसर्च असिस्टेंट (इंजीनियरिंग)

को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा (श्रेणी-2) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथि से, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री धनी राम, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
2. श्री देविन्दर जीत सिंह, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
3. श्री महाराज सिंह मनोज, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
4. श्री एम० ईश्वरन, रिसर्च असिस्टेंट (इंजीनियरिंग) 4-2-78 (अपराह्न)

सं० 6/6/78-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री पी० सी० वर्मा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में 31-3-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ क्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मई 1978

सं० 6/8/77-प्र० 2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री एन० वी० प्रसाद, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 30-3-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/5/78-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री टी० आर० सोहल, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियन्ता के ग्रेड में 17-3-78 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्थ क्षमता में नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास
अवर सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

विषय:—मध्य और दक्षिण मध्य रेलों पर क्षेत्र सम्बन्धी समाझोजन

नई विल्ली, दिनांक 3 मई 1978

सं० 77/ई० बी०/1510—सामान्य सूचनार्थ एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि 1-3-1978 से शाहबाद-बाड़ी (सहित) खण्ड को दक्षिण मध्य रेलवे के गुन्तकाल मण्डल से मध्य रेलवे के शोलापुर मण्डल में स्थानान्तरित कर दिया गया है। किन्तु मध्य और दक्षिण-मध्य रेलों के गुन्तकाल, शोलापुर, और सिन्दूरबाड़ मण्डल के लिए यातायात का अंतरण बाढ़ी में मध्य रेलवे के नियंत्राधीन होगा।

पी० एन० मोहिले
सचिव, रेलवे बोर्ड एवं
पदेन संयुक्त सचिव

मध्य रेख

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० एच० पी० बी०-220-जी० डब्ल्यू० पाटे-II—सिविल इंजीनियरी प्रिभाग के निम्नतिथित ज्यूनियर स्केल अधिकारी उसी विभाग में उनके सामने दिवायी तारीख से सीनियर स्केल में स्थायी किये जा रहे हैं:—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री जी० के० लिमथे	1-11-75
2.	श्री एम० भार० रंगनाथ	6-11-75
3.	श्री ए० एस० भागवत्ताल	1-3-76
4.	श्री एन० पी० विठ्ठल	1-4-76
5.	श्री एन० पी० नारार	-8-76
6.	श्री छो० एस० सुभ्रमण्यन	1-9-76
7.	श्री एन० अप्पूकुट्टन	1-12-78

पु० रा० पुसालकर
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय

पांडू, दिनांक 4 मई 1978

सं० ई/55/III/94/भाग-IV(O)—श्री एन० एम० मुखर्जी को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर दिनांक 1-10-77 से स्थायी किया जाता है।

म० रा० न० मूर्ति
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंदालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स इन्टरोसेन सर्वोसिस कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० 9289/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स

इन्टरोसेन सर्वोसिस कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स ट्रायडेंट होटल्स (प्राइवेट) लिमिटेड के विषय में

ब बई, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० 16064/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ट्रायडेंट होटल्स (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री वि० ए० विजयन मेनोन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सिन्सियर शिपिंग
कम्पनी लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 2 मई 1978

सं० 6037/500(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि सिन्सियर शिपिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

क० पठ्वापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
तामिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री जगन्नाथ सल्द एंड कैमिकेल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 मई 1978

सं० एल०/19425/एच० डी०/1810—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 9-3-76 के आवेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय सहायक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्डस्ट्रियल एंड कैमिकेल प्लान्ट प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 मई 1978

सं० एल०/22431/एच-डी/1779—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने

विनांक 22-9-75 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० भौलिक
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पीपुल्स बैंक लिमिटेड के विषय में

बंगलूरु, दिनांक 6 मई 1978

सं० 21/आर० ओ० सी० 1560 (5)/78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पीपुल्स बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिवा एसोसिएटेस प्रा० लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, विनांक 8 मई 1978

सं० 7208/7/8608—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिवा एसोसिएटेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० शाक आबजरबरस लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 7269/8/—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अवसान पर यू० पी० शाक आबजरबरस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० सी० गुप्ता
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

प्रस्तुप मार्ई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 29 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 1387 ए०/अर्जन/बु० शहर/77-78/488-
यतः मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्द
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28 अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि पर्याप्तोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का परद्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
गोरुया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

मर्त: मर, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्वतुः—

1. श्री इश्वराहीम पुत्र अन्तां बल्ला निवासी सराय छबीला
परगना बरन जिला बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2. श्री भवर सिंह पुत्र विज्जन सिंह निवासी मेसोना मजरा
सराय छबीला परगना बरन जिला बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

3. श्रीमती बिमला देवी पत्नी मुख सिंह डस्माइल परगना
बरन जिला बुलन्दशहर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रमेन के
लिये कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अष्टोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया
जाया जाए।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कूणि भूमि 8 बीघा 18 विस्वा स्थित
ग्राम सराय छबीला जिला बुलन्दशहर 39450 के विक्रय मूल्य
में बेची गई।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

1. (1) कुमारी मेहसुख बरजोत्ती काराई,
(2) कुमारी कामलीरा बरजोर्जी काराई
(3) कुमारी रसना बरजोर्जी काराई, नवसारी
हाल बम्बई
- (अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अञ्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० पी० आर० 583/ए० सी० क्य०-23-1007/
7-4/77-78—यतः, मुझे, छी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टीका नं० 4/5 सर्वे नं० 59-बी० बार्ड नं० 2, नं०थ नं० 520, 521/2-3, है, तथा जो विमना रोड, बस्त टाकीज के सामने, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के प्रधीन, तारीख 19-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्ष) और प्रत्यारिती (प्रत्यारिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवाहि:—

2. (1) श्री प्रभुभाई नाथुभाई पटेल
(2) श्री अमृतलाल नाथुभाई पटेल
(3) श्री नरोत्तम भाई नाथुभाई पटेल
(4) सुमनभाई नाथुभाई
(5) जबेरभाई नाथुभाई,
नवसारी, जिला बलसार

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अञ्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो टीका नं० 4/5 सर्वे नं० 59-बी० बार्ड नं० 2, क्य० नं० 520, 521/2-3 विमनाबाई रोड, बसन्त टाकीज के सामने, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 308-53 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी नवसारी के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकूत विलेख नं० 2308 में प्रवर्णित है।

छी० सी० गोयल
सकम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अञ्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रह्लप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर
नागपुर, दिनांक 4 मार्च 1978

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/अर्जन/61/78-79—यह:
मुझे, एच० एच० श्रीवास्तव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37-1 का भाग, शीट नं० 34,
म० नं० 136 है, तथा जो भंडारा में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भंडारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 सितम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरुण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रकारण के
शायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रदः प्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अर्जातः:—

1. श्री प्रभाकर जयवंतराव जकातकर, मूप कैप्टन, फोर्म
लैन, एच० ए० एल० टाउन शाप, जी० टी० रोड, कानपुर
(यू० पी०)
(अन्तरक)
2. (1) सौ० फातिमाबेगम ज० अमजदअली खां, रहने वाले
टी० टी० नगर, भोपाल
(2) सौ० पाशासुलताना ज० हनीफ खां, रहने वाले
तर्फे हीवी इलेक्ट्रिकल, भोपाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 36-1 का भाग, 15120 स्के० फीट, शीट नं०
34, भकान नं० 136, टंडन बाड़, भंडारा।

एच० एच० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नागपुर

तारीख : 4 मार्च 1978
मोहूः :

प्रांक प्राइंट दो० एन० एम० —

आयन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-ख (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० क्य०-23-1-1392(658)/1-1/
77-78—यतः मुझे, एस० सी० परीख,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वारा
269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 184, 185, पैकी फायनल प्लाट
नं० 569, सब प्लाट नं० 21 हैं, तथा जो पालडी, अहमदाबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और प्रत्यक्षिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
रूप, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप के कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
तारीख में कमी फरत या उससे बचने में
उपरा के लगा; और/या

(ख) ऐसी जिसी आय या जिसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय शायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्र अन्तरिती शारण प्रकट नहीं किया
गया था । जिस जाना शाहिद था, छिपाने
ने सा।।। फि;

अतः मम अधिनियम, जो वारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की वारा 269-ख की
उपद्धारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविनियों, अर्थात्—

1. (1) श्री महेन्द्र प्राणलाल शाह,
- (2) श्रीमती हीरालक्ष्मी विधवा प्राणलाल भाणेक
लाल ला कालेज के पास, एलिसब्रिज, अहमदाबाद
(अन्तरक)

- 2 (1) राधिका एपार्टमेंट को० आप० हाऊसिंग
सो० लि० मारफत एन० एच० पटेल एण्ड कं०
7, रवी चेम्बर्स, दूसरा मंजला, रिलीफ
सिनेमा के पास, रिलीफ रोड, अहमदाबाद
(2) राधीका एपार्टमेंट को० ओप० हाऊसिंग सो०
लि० की ओर से प्रमुख श्री रमणीकलाल गांधी
एण्ड अन्य : 4-बालकेश्वर सोसायटी, अम्बाबाड़ी,
अहमदाबाद-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यन्ध में कोई भी ग्रान्थेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टव्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 745
वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 184-185 पैकी है तथा
फायनल प्लाट नं० 569, सब प्लाट नं० 21 है तथा जो
पालडी, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूर्ण वर्णन
19-9-77 वाले बिश्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख
सक्षम प्रधिकारी
सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद
तारीख : 8-5-1978
मोहर :

प्रारूप ग्राई ० टी० एन० १८०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत वरकार

क.पर्सन, महायक प्राप्तकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर
अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/8/78-79—यतः मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 417/0-3 एम० सी० ए० है, तथा
जो बाजार सतोवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से क्षमित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उचितारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3- -86GT/78.

1. श्रीमती अमृतकौर विधवा श्री सुन्दर सिंह निवासी
बाजार सतोवाला, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री देवीन्दर कुमार पुत्र श्री गनपत राय निवासी बाजार,
कुबी बेरी, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसे कि ऊपर नं० 2 पर अंकित है और यदि कोई किरण-
दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

नामसूची

मकान नं० 417/0-3 एम० सी० ए० बाजार सतोवाला
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकूट विलेख सं० 1979 मितम्बर
1977 में रजिस्ट्रीकूट अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा
है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक, (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/9/78-79—यतः मुझे, एस० के० गोयल,
भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भू-खण्ड नं० 317 है, तथा जो ग्रीन एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूष्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्क्रिय में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः:—

1. श्री बक्षीश सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह, जसवन्त सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह तिथासी श्रावादी इस्टेट भोहन नगर, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री नरेन्द्र सिंह चौपड़ा पुत्र श्री सन्त सिंह 29-श्री गोपालदास रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा और है यदि कोई किराए-दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 317 ग्रीन एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कूट विलेख सं० 1837 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई०टी०एम०एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/10/78-79—यसः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3631/10 है, तथा जो गली सेवा सवाल कटरा दूलों अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि याचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षरण के लिये क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम सहाय पुत्र लाला ज्ञान चन्द्र बाजार दाल मंडी, अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, नरिन्दर पाल, सुरिन्दर कुमार पुलगण श्री ज्ञानचन्द्र, श्री ज्ञान चन्द्र पुत्र श्री चन्द्रनराम एवं श्रीमती कैलाशवती पत्नी ज्ञानचन्द्र निवासी निमक मंडी गली सुनारियान, अमृतसर । (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांदी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 3631/10 गली सेवा सवाल कटरा दूलों अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1962 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज़, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/11/78-79—यतः मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कठरा जैमल सिंह, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यतियों अर्थात् :—

1. श्री बरकत राम पुत्र मुंशी राम, चौक फरीद,
अमृतसर स्वयं वसीयत मुख्तार खास मिन जानब शान्ति
देवी विधवा श्री सरदारी लाल, पवन कुमार पुत्र श्री सरदारी
लाल, श्रीमती ऊषा बाबा, श्रीमती बीना कुमारी पुढीगण
सरदारी लाल, श्रीमती लीलाबती विधवा श्री राम नाथ
श्रीमती किरण कुमारी, श्रीमती इन्दू बाला श्रीमती प्रेम
दर्शन, पुढीगण श्री रामनाथ, श्री इन्दर कुमार पुत्र श्री
राम नाथ, श्री हजारी लाल पुत्र श्री मुन्नी राम, चौक
पासिया, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रो जुगन फिगोर पुत्र श्री खुगीराम खना एवं श्रीमती
सुधा खना विधवा श्री प्रेम कुमार खना एवं श्री दीपक
कुमार (नावालिंग) पुत्र श्री नवल कुमार, निवासी लारेंस
रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 पर अकित है और यदि कोई किराए-
दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में नचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी रखने पूर्वान्तर सम्पत्ति के ग्राहक के
लिए नारंत्रादिया रखता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहक के सम्बन्ध पर कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपचारकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कठरा जैमल सिंह, अमृतसर में स्थित है दुकान जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2016 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
मक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रलूप प्राइंटी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/12/78-79—यतः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है, तथा जो ग्राम—खोख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत्:—

1. श्रीमती ज्ञानदेवी विधवा मोहन लाल, श्री बृजमोहन पुत्र हाताराम, श्रीमती चांदरानी, पुत्री श्री गुजर मल, निवासी—अलबर्ट रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बसन सिह पुत्र श्री मोहन सिह, 15/88 हिस्सा युवाग सिह, लखविन्दर मिह पुत्रगण श्री सोहन सिह 15/88 हिस्सा, श्री भगवन्त सिह, बलवन्त मिह पुत्र श्री प्राण सिह हरदीप सिह, पुत्र श्री हरबन्त सिह, 109/704 श्री बलविन्दर सिह लखविन्दर मिह पुत्र श्री चनन सिह, ग्राम खोख, तहसील एवं जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० में है और यदि कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूछना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहीय—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयोग जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3468 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तहसील अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मई 1978

निर्देश सं० जेबीएल/13/78-79—यतः मुझे, एस० के०
गोयल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम बुर्ज में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इबाल कला, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शब्दित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्द्धतः :—

1. श्री सतमीर सिंह पुन्र श्री अजीत सिंह ग्राम—बुर्ज,
तहसील—तरनतारन, जिला—अमृतसर
(अन्तरक)

2. श्रीमती पाल कौर पल्ली श्री मान सिंह ग्राम—बुर्ज,
तहसील—तरनतारन, जिला—अमृतसर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किराएवार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी नहीं पूर्वोक्त ममता के प्रजन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
वन्धन बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, 'अधोहस्ताक्षरी' के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 615
सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, इबाल-कला मे
लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 11-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० एलडीएच/179/77-78—यतः मुझे नव्य राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के प्रधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में प्रधिक है।

और जिसकी सं० दो मंजिली दुकान जिसका पुराना नं० बी०-
7-35 और नया नं० बी०-73 एस० 1/56 है, तथा जो चौड़ा
बाजार लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अगस्त 1977 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में
शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
संरक्षण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात:—

1. श्री गोपी नाथ पुत्र श्री अमर जीत वासी 30 एल
माडल टाउन, लुधियाना (अन्तरक)

संवेदी

2. (i) पिशीरी लाल पुत्र श्री देवी दिवाल
(ii) अशोक कुमार
(iii) बलदेव शर्मा

—पुत्र श्री पिशीरी लाल

- (iv) विश्वा मित्र
(v) कुलदीप कुमार
(vi) विजे कुमार
(vii) राजेश कुमार
वासी 1702 नई बिल्डिंग आर्या मुहल्ला,
लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के घरेल के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितधद किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित द्वारा, अधीक्षित द्वारा
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिली दुकान पुराना नं० बी०-7-35 तथा नया
नं० बी०-7 एस० 1/56 है और जो चौड़ा बाजार लुधियाना में
स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख नं० 1656 अगस्त, 1977 में दर्ज
है।

नव्य राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 मई 1978

मोहर :

प्रश्न आई० टो० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 24/एस ई० पी०/७७—पतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रबोचन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिम्मी सं० 97-सी० है, तथा जो रामनाड रोड, मदरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 1797/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 मितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परद्वाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसा किसी आप या किसी धन या भव्य आमिनियों, जो, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम या घट-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रनतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

पतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों अर्थात् :—

1. श्री एन० के० सोताराम और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती विनोजा अम्माल्ल

(अन्तरिती)

मौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक नियम का विवरण देता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्य अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो जाती है, वे भीतर पूर्वोक्त अवधियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्न व्यक्ति द्वारा, अव्योद्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सत्य :

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै रामनाड रोड, डोर सं० 97 सी० (3 टी० एस० सं० 630) में 1000 स्वर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन,
सकम अधिकारी,
सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 29-4-1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत भ्रकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, मद्रास
मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 35/एस ई० पी० टी०/77—अतः मुझे, ए० टी०
गोविन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का दिया
है कि स्थावर मूल्य, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है

और जिसकी सं० 54-ए० है, तथा जो डाकटर टी० बी० नायडु
रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण व्यप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास (पत्र सं० 2568/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मीर शतरक (अन्तरकों) और भन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शब्दाण्ण जिखित में वास्तविक
व्यप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 नं० 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
तुल्याद्य के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम को धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

4 -86G1/78.

- | | |
|----------------------------|------------|
| 1. श्री एम० राममूर्ति | (अन्तरक) |
| 2. श्रीमती मनोनमणी पन्मुगन | (अन्तरिती) |

को यह सूचना जारी करो पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
लायंगाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्माक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त,
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, टी० बी० नायडु रोड, डोरनं० 54 ए० (ग्राम
एस० सं० 449/6) में 3871 स्कुबर फीट धी भूमि (मकान
के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, मद्रास

तारीख : 29-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर विभाग (नियोजन)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4458/सेप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के० पोषन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी मं० डॉटकमण्ड, आर० एस० सं० 4109/3 ए० में 52 सेन्ट (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे उपग्रह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऊटकमण्ड (डाकुमेण्ट 1138/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन, तारीख 2 सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आसन्निक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्तः—

के० श्री एस० के० सी० वेंकिट चेट्टियार

(अन्तरक)

के० श्रीमती के० मोहम्मा सैमाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दूद्वारा किसी अन्य अधिकता द्वारा अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऊटकमण्ड, आर० एस० सं० 4109/3 ए० में 52 सेन्ट (मकान के साथ) (डाकुमेण्ट 1138/77)।

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (नियोजन)
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4479/अक्टूबर/77—यत्, मुझे, के० पोषन,
ग्रामकर ग्रामिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके
पश्चात् 'उक्त ग्रामिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है
और जिसकी स० कोडनाड गांव, आर० एस० है, तथा जो सं० 65 (22.20 एकड़े) में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कोटगिरि (डाकुमेण्ट 746/77) में, रजिस्ट्रीकरण
ग्रामिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
3 अक्टूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तेज्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
ग्रामिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक्ष में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्थ ग्रास्तियों,
को जिन्हे भारतीय ग्रामकर ग्रामिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त ग्रामिनियम, या धन-
कर ग्रामिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनावृत्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्युपर्याप्त उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
में, उक्त ग्रामिनियम की धारा 269-ब की उपबाया (1) के अधीन;
निम्नलिखित अवधियों अर्थात् :—

1. ती० कोडनाड टी० एस्टेट्स कम्पनी
(अन्तरक)
2. (1) श्री एम० अर्जन;
(2) श्री एम० नन्जन;
(3) श्री एन० नन्जन;
(4) श्री एस० ए० महालिंगम;
(5) श्री एस० ए० नन्जन;
(6) श्री ए० मनियन;

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रामि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं वहीं
मर्यादा होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अब्दुस्सूची

कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 65 में 22.20 एकड़े।

के० पोषन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यकर्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

1. ती० कोडनाड टी० एस्टेट्स कम्पनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4479/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोशन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 82 (38.60 एकड़) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, कोटगिरि (डाकुमेण्ट 747/77) में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से असमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और मन्तरक (मन्तरकी) और अन्तरित (अन्तरितमा) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय भी भावत उक्त प्राधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; श्री/पा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ला 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा शब्द नहीं किया गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-संरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :—

2. (1) श्री एम० अज्जन;
- (2) श्री एम० नन्जन;
- (3) एन० नन्जन;
- (4) एस० ए० महालिंगम;
- (5) एस० ए० नन्जन;
- (6) ए० मनियन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रभान्त के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रभान्त के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससंबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में इतिहास किसी भी व्यक्ति द्वारा, प्रशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्राधिनियम के वड्याय 20-के परिमापित हैं वहीं भी होंगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृतद्वारी

कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 82 में 38.60 एकड़।

के० पोशन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रख्युप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4489/प्रकृत्वर/77—यतः मुझे, कें पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23/123 और 124, ओप्पन हैं, तथा जो
कार स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, ज०० एस० आर० I कोयम्बत्तूर (डाकुमेण्ट 2085)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और भीतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रन्थात् :—

1. (1) श्री जी० टी० श्रीनिवासन;
(2) श्री जी० वी० सुन्दर राज;
(3) श्री एस० वालकृष्णन;
(4) श्री एस० सिवप्रकाशम;
(5) श्री एस० विजयकुमार;
(6) श्री एस० प्रबाकरन;
(7) एस० रवी;
(8) श्रीमती वी० सुसीला;
(9) श्रीमती वी० सरोजा;
(10) श्री क्रोगिला राजु;
(11) श्री एस० कृष्ण तिलगम; और
(12) श्री एस० वसन्ता
(अन्तरक)

2. श्री टी० पी० कृष्णन (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

इस सम्पत्ति के अंतर के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

कोयम्बत्तूर, ओप्पनकार स्ट्रीट, डोर सं० 23/123
और 124 (नया टी० एस० सं० 6/1404) में 3651
स्क्युयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज़-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978 .

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आवश्यकता

**269 घ (1) के अधीन सूचना
मास्त सरकार**

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4490/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोषन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ₹ से अधिक है, और जिसकी सं० 23/233, 234, 235 है तथा जो रंगे गोडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-१ कोयम्बटूर (डाकुमेण्ट 2129) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृशमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृशमान प्रतिफल से ऐसे बृशमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन; निम्नलिखित अविक्तियों, अवासु—

1. श्री एस० साहूल हमीद

(अन्तरक)

2. श्री एम० कादर शेरिफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किया जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रसुचित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, रंगे गोडर स्ट्रीट, नया डोर सं० 23/233, 234, 235 (नया टी० एस० सं० 6/1256) में भूमि और भकान।

के० पोषन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एस०

प्राधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

ब्राह्मा 269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 5814/सितम्बर/77— अतः मझे, के० पोशन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ब्राह्मा 269 अ के अधीन सम्पत्ति को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 5, प्लाट सं० 7 (ग्राउण्ड फ्लोर) ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेट 637/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से छोड़ा किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) या किसी पाय या किसी भान या अन्य प्रायिनियों आ। जन्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ला 11) या उक्त प्रधिनियम या थन-हर प्रायिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रायज्ञात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा द्वारा।

अतः अब उक्त प्रधिनियम की ब्राह्मा 269 अ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की ब्राह्मा 269 अ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनालक-कस्तु और एम० आनन्दन, टी० गोविन्दसामि (अन्तरक)

(2) श्री एम० कालि मुदालियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधिया बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदातारण :—इसमें प्रधुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (प्लाट सं० 7) में ग्राउण्ड फ्लोर और 4ग्राउन्ड और 1898 स्क्युरर कीट मे 1/4 प्रभिन्न भाग।

के० पोशन,
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 5814/सेप्टम्बर/77—अतः, मुझे, के० पोष्टन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 5, प्लाट सं० 7 (पहला फ्लोर) ग्रीम्स रोड़, मद्रास 6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, 'डाकूसेण्ट' 634/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुवाहा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिळनाउकरसु, एम० आतन्दन और टी० गोविन्दमामि (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कन्नियम्माल (अन्तरिती)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि द्वाद भें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्वय व्यक्ति द्वारा, प्रधोत्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टदातावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड़, डोर सं० 5 (प्लाट सं० 7) में पहला फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्युयर फीट में 1/4 अभिष्ठ भाग।

के० पोष्टन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 6-5-1978
मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 6 मई 1978
निदेश सं० 5814/सितम्बर/77—यसः, मुझे के० पोषन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5, प्लाट सं० 7 (दूसरा फ्लॉर) ग्रीम्स
रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 635/77) मू, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
शापित्व में कमी करते या उससे बचने में मुविधा
के लिए; प्रौर्या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 ना 11) या उक्त अधिनियम या
गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वे
अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अर्पणतः—

(1) श्री एम० मुहमेस नायकर, एम० तिळाउक्कारसु,
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि। (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कन्नियम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वे
भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्ता
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा भरेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं।
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (प्लाट सं० 7)
में दूसरा फ्लॉर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्युर फीट
में 1/4 भाग अभिष्ठ
भाग।

के० पोषन,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-5-1978
मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश सं० 5814/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोषन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, फ्लैट सं० 7, डोर सं० 5 में तीसरा फ्लॉर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेण्ट 636/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बुझ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत। प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269व (1) के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269व (1) के अधीन निम्नलिखित अवधियों अवधि:—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउककरसु, एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि। (अन्तरक)

(2) श्री एस० तिरुनाउककरसु (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (फ्लैट सं० 7) में तीसरा फ्लॉर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्युयर फीट में 1/4 अभिष्ठ भाग।

के० पोषन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 6-5-1978
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०--

(1) श्री सावित्रि अम्माल (अन्तरक)

(2) श्री अलक्ष्मीन्दर रामलिंगम (अन्तरिती)।

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प्र

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 8029/अक्टूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
है से अधिक है।

और जिसकी सं० 21, इलंगोनगर, मुदलियारपेट,
पान्डिचेरी में स्थिति है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, पान्डिचेरी (आकुमेण्ट 1597/77) में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापन उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित रूप से किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

पान्डिचेरी, मुदलियार्मेट, इलंगो नगर, डोर सं० 21
में भूमि और मकान।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

पठः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकृति:—

तारीख: 6-5-1978

मोहर:

प्रसूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269४ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर नियमित (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
988—अतः, मुझे राज कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसन्धान में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/।।।

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत प्रव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरच में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-४ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवलाल गोविन्द मिस्त्री
निवासी नियमित पुरा, बुरहानपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री शालिगराम कोल्हे,
(2) श्री बसंत राम कोल्हे
दोनों पुत्र श्री रामू कोल्हे निवासी डामिया खेड़ा,
बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रमुख शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मकान निर्मित प्लाट नं० 71, ब्लाक नं० 34, स्थित मोहल्ला नियमित पुरा, बुरहानपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकर नियमित
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट ट्रॉ. एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/989—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपांबद्ध अनुसंधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजून उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या यन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के पश्चात् निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमलाबाई सुखलाल जी दागदी
निवासी 27, गल नं० 2, छोपा बाखल,
इन्दौर
(अन्तरक)
2. श्रीमती शारदा बाई जोधराज
निवासी 6, गली नं० 3,
छोपा बाखल, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्ट :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृष्टबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसूची

मकान नं० 6, गली नं० 3, स्थित छोपा बाखल, इन्दौर।

रा० कु० बाली
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 2-5-1978
मोहर।

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायीनय उद्धार आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, विनांक 2 मई 1978

सं० प्राई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/78-79/990—
श्रतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्हौंर में स्थित है (और
इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्हौंर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-9-1977
को पूर्वोक्त रामपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन व अन्य भास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवातः:—

1. श्री चम्पालाल जी मालवी पुत्र श्री गोरे लाल जी,
निवासी द्वारा लकोटा टेलसे, 11, एम वाई०
हस्पताल रोड, इन्हौंर।

(अन्तरक)

2. श्री हरदत्ता सिंह पुत्र श्री चांद सिंह
निवासी : 19/2, छोतीगाल, टोली,
इन्हौंर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 103, जानकी नगर, ऐफटेन्यान
कालोगी, इन्हौंर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल।

तारीख : 2-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एफवी०/भोपाल/78-79/991—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (शन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे मार्कीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन्दकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, लिपाने में मुविद्धा के लिए;

अतः यद्युपि; उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थातः—

1. श्री वामन भास्करभिंडे
निवासी 4202, 32, आप्टे रोड, पुना
(अन्तरक)

2. श्रीमती साड़ सुनीता पाण्डे रामेकर देश मुख्य
बाड़ा, जोगलेकर प्लाटस, अमरावती (महाराष्ट्र)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुक्ता की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में वरिभावित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उभे अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

मकान नं० 26, नारायण बाग, इन्दौर।

रा० कु० बाली
संधार अधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख : 2-5-1978।

अर्जन रेंज, भोपाल।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/992—

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवर में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तीन मंजिला मकान नं० 425 स्थित जय राम पुर कालोनी इन्दौर।

अतः प्रत, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुमत्रण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों, अर्थात्:—

1. श्री हरीराम गेरा पुत्र श्री खेम चन्द्रजी गेरा
निवासी 125, जब राम पुर कालोनी,
इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री अर्जन दास पुत्र श्री रुप चन्द्र जी
सेवकानी,
निवासी पालसी कर कालीनी,
इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके उर्वार्थ सम्पत्ति के प्रत्येक कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रावेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(रा० कु० बाली)
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
तारीख : 2-5-1978। अर्जन रेंज, भोपाल।
मोहर :

प्रारूप प्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन शेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ऐ० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/993—प्रतः
मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा
269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो हन्दौर में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अन्यसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, हन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्च॑
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृढ़ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कर्ता
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें मार्तीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनु-
सारण में, उक्त अधिनियम की आरा 269व की उपकारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत्:—

1. श्रीमती विमला बेन पत्नि श्री अम्बालाल पटेल
द्वारा श्री अम्बालाल अतुर्भुज पटेल
तम्बाकू के अपारी सदर बाजार,
सनाबद (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती भगवती देवी पत्नि श्री कृष्ण गोपाल
महेश्वरी, (2) श्री उमेश चन्द्र, (3) श्री नरोत्तम
कुमार (4) श्री दिनेश कुमार (5) श्री प्रदीपन कुमार,
सभी पुनर गण श्री कृष्ण गोपाल महेश्वरी एंडोवेकेट
निवासी 34, मेन स्ट्रीट, महू हा. (अन्तरक)

3. (1) श्री किशोर कुमार (2) श्री बद्री लाल (3)
श्री गोपाल जी (4) श्री राधे इच्छाम (5) गुरुपाल सिंह
(6) श्री शिव नारायण (7) श्री दिल बहादुर सिंह।
(वह अक्षित जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को पृ० पू० भवन जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रवंत के
लिए कार्यशाहिंदा करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबहूस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्यापक-
मानित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 58, जानकी नगर, हन्दौर।

रा० कु० बाली,
सहायक आयकर
ता० 2-5-1978
मोहर:

रा० कु० बाली,
सहायक आयकर
सहायक आयकर भाष्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

प्रारूप आई० टी० एन० एस०————
मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक
रोहतक, दिनांक 9 मई 1978

सं० टी० एव० एन०/६/७७-८—प्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार
पठानिया,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- ₹
से प्रधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 146 कनाल 14 मरला है तथा
जो टोहाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
टोहाना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों)
के बीच ऐसे प्रत्यक्षित उक्त सम्पत्ति के लिये तब पाता गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्षित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के अधीन कर देने के प्रत्यक्षित के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावृ
प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अक्षितों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री खजान चन्द्र,
अनाज मण्डी, टोहाना।

(प्रत्यक्ष)

2. श्री सुच्चा सिंह, तरसेम सिंह, पियारा सिंह,
पुत्रान श्री दीपार सिंह
नजदीक अंच० ईस० ई० बी० दफतर,
चण्डीगढ़ रोड, टोहाना।

(प्रत्यक्षिती)

मो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रम—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तस्वीरांशी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाल
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अघोषिताकारी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 146 कनाल 14 मरला जो टोहाना में स्थित
है :

"सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 972 में दी है और रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय टोहाना में 11-8-1977 को लिखी
गई।"

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सकाम प्राधिकारी,
महावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 मई 1978

सं० जे० डी० आर०/26/77-78—उक्त: मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 58, रेलवे वर्कशाप रोड, है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में-सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसर अन्तरक में, जैसे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

1. श्री बंडा सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह, निवासी बटाला। (अन्तरक)

2. श्री विश्वा मिद्र भाटिया पुत्र श्री जिवन्दा मल भाटिया निवासी मकान नं० 209-डी०/आर० माडल टाउन, यमुना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यालयी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किनारे वाला प्लाट नं० 58, रेलवे वर्कशाप रोड, यमुना नगर में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 420 वर्ग गज है :

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री कर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2219 तिथि 8 सितम्बर, 1977 पर दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीखः 9-5-1978।

मोहरः

प्र० प्र० श्री प्र० श्री प्र० श्री प्र०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 19 अप्रैल 1978

सं० एपी० 192/फरीदकोट/78-79—यतः, मुझे पी०
एन० मलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वां
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पची
रसाल (जैतो) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जैतो
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत; उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये;

बतः, घब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा के अनुसरण में,
मेरे उक्त प्रधिनियम, की धारा 269वा की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चात्:—

1. श्री केसर राम पुत्र श्री नन्द राम
निवासी पत्तो हीरा सिंह। (प्रत्यक्ष)
2. श्री प्रगट सिंह पुत्र नछत्तर सिंह
राजिन्द्र सिंह, जसविन्द्र सिंह पुत्रान
अवतार सिंह, वासी रामबाला (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बढ़
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्याय द्वीपा, जो उस प्रध्याय में दिया जाया है

अनुसूची

पत्ती रसाल जैतों में 19 विधा और 4 विस्ता जमीन जैसे
कि विलेख नं० 1021 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
जैतों में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिडा।

तारीख : 19 अप्रैल, 1978।
मोहर :

प्रकल्प आई० टॉ० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिल्डा

भटिल्डा, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

नि० सं० ए०पी० 193/फाजिल्का/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो आलम शाह में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाविद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खीका सिंह पुढ़ गनपत सिंह पुढ़ के सर सिंह, बासी फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुरजीत सिंह बगैरा पुढ़गण सुचा सिंह,
(2) राम सिंह बगैरा पुढ़गण विशन सिंह,
(3) गुरचरण सिंह बगैरा, पुढ़गण किशम सिंह,
गांव आलम शाह

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आझेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रचार 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रचार में दिया गया है।

अनुसूची

आलम शाह गांव में 60 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि लिखा नं० 2390 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिल्डा।

तारीख : 19 अप्रैल, 1978
मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटो०एन०एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० ए०पी० 194/फरीदकोट/78-79—यतः मुझे पी० एन०

मिलिक

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जैतों में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर खेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरंग में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह पुल हजारा सिंह उर्फ हजुरा सिंह पुल खजान सिंह जैतों पती साडा। (अन्तरक)
2. सर्वे श्री साधु सिंह, आत्मा सिंह, तेजा सिंह पुलान खेवा सिंह पती सदा जैतों। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्ताथरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैतों में 16 विधा और 15 विसवा जमीन जैसा कि विलेख नं० 1057 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी जैतों में लिखा है।

पी० एन० मिलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भट्टिंडा।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978।
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिला

भटिला, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

सं० ए० पी० 195/फाजिल्का/78-79—यतः मुझे पी०
एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वा
के प्रधीन साथम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मैंहकम
अराई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और प्रमत्तरक (अन्तररक्तों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रमत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त प्रमत्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है।—

(क) प्रमत्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्त के बायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा
में, उक्त अधिनियम की धारा 269 वा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अविक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन साल, घलौती राम और घरौती लाल,
पुत्रगन श्री भगवान दास और भगवान दास द्वारा
ओम प्रकाश,
वासी जालालाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह पुत्र हीरा सिंह,
वासी छांगा हिठड़ राए

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह अविक्त जिससे अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो अविक्त सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी
अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास निवित में
किए जा सकेंगे।

प्रब्लॉकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मैंहकम अराई गांव में 36 कनाल 10 मरला जमीन जैसा
कि विलेख नं० 2628 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारी
फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिला

तारीख : 19-4-1978।

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिढा

भट्टिढा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी०-१९६/फाजिल्का/७८-७९—प्रतः, मुझे
पा० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो थेहक लेदर में स्थित है (और इससे उपावद में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्क में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर, 1977

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, 'उक्त अधिनियम' के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आदि या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा, 269-वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अक्षियों अर्थात्:—

1. श्री सुखदेव सिंह पुन श्री जंग सिंह पुन श्री किशन सिंह मौजा थेहक लन्दर तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिक)

2. जगसीर सिंह, रघुवीर सिंह पुन्नान हरबंस सिंह पुन शमशेर सिंह गांव थेहक लन्दर तहसील फाजिल्का। (अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं 2 में है।

(वह अक्षिता, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह अक्षितु जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांकित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रबंधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

थेहक लन्दर गांव में 34 कनाल 16 मरले जमीन जैसा जी बिलेक नं 2179 नवम्बर 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्राप्ति (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिढा।

तारीख : 25 अप्रैल 1978।

मोहर :

प्रलम प्राई० डी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, भट्टिन्डा

भट्टिन्डा, दिनांक 24 अप्रैल 1978

निवेश सं० ए० पी० 187/अबोहर/78-79—यतः, मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाशा गता प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षियों, अर्थात् ---
7—86GI/78.

1. श्रीमती मगनी देवी पत्नी नत्यु राम पुत्र सूरज मल,
पारी गली नं० 11, मण्डी अबोहर
द्वारा श्रमों मल सूरज मल,
दाना मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री परमा नन्द पुत्र सुदागर राम पुत्र पन्ना राम
गली डंगर हस्पताल, अबोहर।

(अन्तरिति)

3. श्री जैसा कि नं० 2 में है।

वड़ वाकिन जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति वे हितवद्ध है

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पक्षमध्य में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में में किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अबोहर मंडी नं० 2 में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि
विलेख नं० 1262 मितम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
अबोहर में लिखा है।

(पी० ए० मलिक)

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भट्टिन्डा।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978।

मोहर :

प्रह्ला आई० टी० एन० एस०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269ष (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिंडा,
 भट्टिंडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

सं० ए०पी०-188/अबोहर/78-79—यतः मुझे पी० एन०
 मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् “उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा 269-ष
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है
 से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने पर
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त प्रतिकल लिखत में वास्तविक रूप से अधित तहीं
 किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-
 नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
 में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वा
 अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
 उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के
 अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती भगती देवी पत्नी नन्दु राम पुत्र सूरज मल
 वासी गली नं० 11, अबोहर
 (अन्तरक)
2. श्री परमा नन्द पुत्र श्री सुदामर राम पुत्र पठाना राम,
 वासी गली नं० ३५ गंगर बाली, अबोहर ।
 (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० २ में है ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हव्वि रखता है ।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानला
 है कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियाँ करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
 में समाप्त होती हो, तो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे
 किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

प्राप्तीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

अबोहर मंडी नं० 2 में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि
 विलेख नं० 1582 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
 अबोहर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
 सक्षम अधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 25 अप्रैल, 1978

तेहर :

प्ररूप शार्हि० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 189/अबोहर/78-79—यतः, मुझे
पी० एन० सलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी छन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्पति:—

1. श्रीमती मगनी देवी पत्नी नत्यु राम पुत्र सूरज मल
वासी गली नं० 11, मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री देस राज पुत्र सुदागर राम पुत्र पन्ना राम
गली ढंगर वाली, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

वह व्यक्ति सम्पत्ति में इच्छा रखता है।

4. वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्धि है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर मंडी में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख
नं० 1256 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टडा।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978।

मोहर :

प्रस्तुप ग्राही ठी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए०पी० १९०/ए०बी०ए८०/७८-७९—यसः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है, तथा
जो गुमजाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन तारीख दिसम्बर, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अमर्त्यित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तद पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लाजवन्ती विश्वास बनवारी लाल
बासी चावला गली, फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमूती देवी पत्नी पोखर राम
बासी गुमजाल तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैमा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आमेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है। के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही प्रबंह होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमजाल में 72 कनाल और 17 मार्डे जमीन जैसा कि
विलेख नं० 1856 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, भटिंडा

तारीख : 19-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के भव्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निवेश नं० ए०पी० 191/एम०जी०ए०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के भव्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भागी के में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निहाल सिंह बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भव्यीन अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरारतियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के भव्यीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1) के भव्यीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरचरण सिंह, पुत्र सोहन सिंह वासी भागी के तहसील मोगा।

(अन्तकर)

2. श्री जलौर सिंह, जोन्दिर सिंह महिन्दर सिंह पुत्रान् जैल सिंह पुत्र मुचा सिंह और जसपाल सिंह, गहल सिंह रनजीत सिंह पुत्र जनरनैल सिंह पुत्र मुचा सिंह गांव भागी के तहसील मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपरनं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के भव्यीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के भव्यीन के सबध में कोई भी घाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भागी के गांव में 25 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेखनं० 1420 अक्टूबर, 77 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निहाल सिंह वाला लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख 19-4-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० ई० एन० प्रस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी० 182/ए०वी०एच०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मालिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है नि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरक्ति विधि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया जाया है :—

(क) प्रतिरक्ति से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रतिरक्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थातः :—

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजा नन्द पुत्रान शिवसाल रेलवे रोड, जैतो

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा देवी धर्मपत्नी हरबंस लाल बासी गलीनं० 1, नई आबादी अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि लिखा नं० 1328 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मालिक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख 25-4-19778

मोहर :

प्रलूप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भर्टिडा

भर्टिडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निकेश स० ए० पी० 183/ए०बी०ए०च०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मिलक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितंबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भ्रन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रा: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजा नन्द पुत्रान शिवलाल रेलवे रोड, जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल पुत्र बनबारी लाल, वासी गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, उनीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1329, मित्ती, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मिलक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भर्टिडा

तारीख: 25-4-1978

मोहर:

प्र० ल० आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 184/ए०बी०एच०/78-79—यह:
मुझे पी० एन० मिलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपायदृ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्टीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्राजी अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्ति:—

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजनन्द पुत्रान शिवलाल रेलवे रोट, जैतो

(अन्तरक)

2. श्री बर्मी नन्द पुत्र नानक चन्द वासी नई आबादी गली नं० 1, अबोहर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यालयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि लिखा नं० 1332, मितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मिलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख 25-4-1978
मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 185/ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मिलकि

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल
के लिए प्रत्यक्षित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और भत्तरक (भत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे भल्लरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भल्लरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के भत्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—
8—86GI/78.

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजानन्द पुन्नान शिवलाल
रेलवे रोड, जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द, पुन्न घेल लाल—
नई आवादी गली नं० 1, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख नं०
1333, सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मिलक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रंथन रेज, भट्टडा

तारीख: 25-4-1978

मोहर :

प्रलूप श्राई० टी० एन० एस०

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिला

भट्टिला, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 186/एफ० डी० के०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी भाय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनानाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपब्राह्मा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चातः—

1. श्री रामग्रवतार पुत्र श्रीचन्द्र पुत्र हजारी लाल वाँसी जैतो।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला देवी पत्नी लक्ष्मी नरायण और सरोज बाला, पत्नी हुकम चन्द द्वारा खुशीराम इन्द्र सैन दाना मंडी, कोटकपुरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रचना रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक प्रवौद्ध समाति के अर्जन के लिए कार्यालयाद्वयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वात् व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दानामंडी कोटकपुरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 2097, सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिला

तारीख : 25-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप शाई० टी० एन० एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) वे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 3 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 197/एफ० जैड० के०/78-79—यतः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो धर्मपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रष्टाचार के लिए;

प्रभः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थत्।—

1. श्री साहिब राम पुत्र काहना राम गांव धर्मपुरा तहसील फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. श्री ओमप्रकाश पुत्र लाल चन्द वासी धर्म पुरा, तहसील, फाजिल्का

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर्मपुरा में 118 कनाल जीता कि विलेख नं० 1251 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख : 3-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 3 मई, 1978

निदेश सं० ए०पी० १९८/एफ०ड०क०/७८-७९—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्ट्र
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपषारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र सिरीचन्द पुत्र हजारी लाल
वासी जैतो, जिला फरीदकोट।
(अन्तरक)
2. श्री मूलचन्द पुत्र बिशन दास
मी-VI/110, मोती भारू, कोटकपूरा।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मोती भारू कोटकपूरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं०
2426 अक्तूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

दिनांक : 3-5-1978

मोहर :

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के भ्रष्टीन मुच्चना

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ਅਰਜੰਨ ਰੇਖ, ਭਟਿੜਾ

भटिला, दिनांक 3 मई 1978

निवेश सं० प०पी० 199/प०० एच० जी०/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० जैमार्टि अनुसूची में लिखा है तथा जो प्रेमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1977

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पश्चात्पूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में कूई किसी आय की वावत 'उसमें प्रधानियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; प्रीर/या

(अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिदा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रसिद्धियम्, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त प्रसिद्धियम्, की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मरणी :--

1. श्री रेशमजीत सिंह पुत्र ठाकुर सिंह
गांव छोमेली, तहसील किनौर।

2. श्री गुरदेव मिह, प्रेम सिंह और कुलदीप सिंह पुत्रान
श्री प्यारा मिह गांव सोहनी, तहसील फगवाड़ा।

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूत्रां जारो करने इर्वान्श मध्यां के प्रजें ते लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मामूल्य में कोई भी व्याप्ति:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवणि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सुनवाई की तरीकी से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी अर्वांश्व बाइमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम' के मध्यात् 20-के परिभाषित है, वर्दी प्रथे होगा, जो उस मध्यात् में दिया गया है।

अम सची

प्रेमपुर में 31 कनाल 18 मर्टे जमीन, जैसा कि विलेव
नं० 1260 प्रकृत्युवर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सभ्म प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
आर्जन रेजे भटिडा

दिनांक 3-5-1978
मोहर:

प्रारूप प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 वा० (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 3 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 200 /ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक
आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को
धारा 269 वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कंधवाला, अमरकोट में स्थित है (ग्रीष्म इससे उपावद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि विधायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और सन्तरित (अन्तरकों) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय ती बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त वा किसी वन पा अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या वन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-वा० के प्रत्यक्षण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा० की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वीरबल पुत्र श्री धन्ना राम
वासी गांव कंधवाला अमर कोट, तहसील फाजिल्का
(अन्तरक)
2. श्री धर्मपाल, मनीराम, रणजीत राम, दिवान चन्द,
भंवर लाल पुत्रान मामराज,
वासी कंधवाला अमरकोट तहसील फाजिल्का।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कंधवाला अमर कोट में 49 कनाल, 8 मरले जमीन जैसा
कि विलेख नं० 1475 अक्टूबर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भट्टिंडा

दिनांक 3-5-1978

मोहर :

प्रस्तुति पाईद० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिढा

भटिढा, दिनांक 28 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए०पी० 201/एम०जी०४०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थाकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जैसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तभा दुने में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवीर सिंह पुत्र सुरमुख सिंह

वासी गाव दुने के तहसील मोगा द्वारा चरणजीत सिंह
(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह पुत्र दीकान सिंह (2) जगदीप कुमार पुत्र
हरी सिंह द्वारा रुप लाल एण्ड सन्स,
राईस शैलर, आरा रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभेग मेंसम पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में गमाल होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थाकर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुन के गांव में 7 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 5318 नवम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिढा

दिनांक 28-4-78

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 8 मई, 1973

निश्चय सं० ए०पी० 202/कग०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का कारण है कि राष्ट्रवाद सम्पत्ति, विद्यमान उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा फगवाड़ा में रिचर्ट है (आंग इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया था।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;

और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:

1. श्रीमती प्रकाश कुमारी पत्नी परशोत्तम लाल पुत्र ज्ञानचन्द्र 13-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हीरा लाल, पुत्र सालग राम वासी फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा में, 15 मर्ले का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं० 978 तारीख 2-9-1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सकाम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भट्टिडा

तारीख 8-5-1978

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सारांश, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 203/फगा०/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा बंगा रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उम्मे वचने में मूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिहें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) या उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविधा ने निया।

अतः यद्यु, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—86GI/78.

1. जतिश्वर सिंह पुत्र वारा सिंह वासी फगवाड़ा । (अन्तरक)
2. प्रमोद कुमार पुत्र श्री मदन लाल वासी 24-A माडल टाउन, फगवाड़ा (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर म० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जैसा कि ऊपर म० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन तक अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगा रोड, फगवाड़ा, पर एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 1104, सितम्बर 1977 रजिस्ट्री कर्ता प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एम० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भटिंडा

दिनांक: 8-5-78

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० दो० एन० एस०---
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
संघीय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

भट्टडा, दिनांक 10 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 206/फगवाड़ा/78-79—यतः मुझे
पी० एन० मिलक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269प के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा हृदियाबाद
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 30-८-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्त्रालय
(अन्तरकों) भी इसके लिए तथा पापा या प्रतिफल, निम्नलिखित
चर्चे से उक्त प्रमत्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की आवृत्ति उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमों करने या उक्तसे बच भी
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य भास्त्रियों
को, जिन्हें भारतीय प्राप्त-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाता जाता था, तिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः बच, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के
अनुदरण में, भी, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-प की
रूपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्त:—

1. श्री बलराज दुग्धल पुत्र श्री चन्द्र लाल
वासी हृदियाबाद, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सत्यवती धर्मपत्नी धर्म पाल
- (2) श्रीमती शीला रानी पत्नी जोगिन्दर पाल
- (3) सरोज रानी पत्नी श्री विश्वम्भरदास
वासी मुहल्ला अगमी होटीया हृदियाबाद,
तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हवार रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता है:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही प्रथा होगा जो उस प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० शी-XLIV/34, हृदियाबाद, फगवाड़ा
जैसा कि विलेख नम्बर, 1115 तिथि 30-८-1977 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मिलक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टडा

तारीख 10-५-७८

मोहर :

प्रकल्प प्राईटी•एन•एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 10 मई, 1978

निदेश सं० ए०पी० 204/फगवाड़ा/78-79—यत् मुझे
पी० एन० मलिकआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सतनामपुरा
फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 7-9-1977 कोपूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पछले प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियित में वास्तविक रूप से कठित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष क
वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी कमी आय या किसी घन या अन्य घास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, उसने
में सुविधा के लिए;अस: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व क
मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षितों, अर्थात्:—1. श्री मोता सिंह पुत्र श्री साल सिंह, भवन 'सुखमनी'
सतनामपुरा, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. जगतार सिंह पुत्र भगत सिंह
मकान नं० 55, सतनामपुरा फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि द्वाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे:स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचालित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55, सतनामपुरा फगवाड़ा, जैसा कि विलेख
नं० 1010 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा
में लिखा है।पी० एन० मलिक
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडातारीख: 10-5-1978
मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269 वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिङ्गा

भटिङ्गा, दिनांक 10 मई, 1978

निक्षेप सं० ए० पी० नं० 205/फगवाड़ा/78-79—यतः मुझे पी० एन० मिलक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा के अधीन सम्बन्ध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकान नं० 53, नेहरूनगर, फगवाड़ा, में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूरी रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत, उक्त विधि नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मग, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जात्:—

1. श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री सोहन सिंह, गांव पादी मल बाली, जिला जालम्बर।

(अन्तरक)

2. (1) बलराज कुमार पुत्र अन्नू लाल

(2) जनक राज पुत्र बलराज कुमार वासी मकान नं० बी-XXX/53, नेहरू नगर, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्तिमें रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वान्तर सम्पत्ति के प्रबंधन के लिये कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इष्टाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XXX/53, नेहरू नगर, फगवाड़ा, जैसा कि विलेख नम्बर, 1105, दिनांक 28-9-77 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मिलक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भटिङ्गा

दिनांक 10-5-78

मोहर

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

लार्यानिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

1. कल्याण कुमार मिश्र

(अन्तरक)

2. श्री सुजित मुखर्जी

(अन्तरिती)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० ६/शार० २/कल०/७८-७९—अत्. मुझे
शार० बी० लाल मोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
से अधिक है

और जिसकी सं० 420, पर्ण श्रीपल्ली है तथा जो पी० ए०
एस० वेहाला, कलकत्ता-60 मैं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के भार्यालय सब रजिस्ट्रार ग्रान्टीयुर [सदर-24, परगनास
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 22-6-1977 (22-7-77)]

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत हुक्म
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुदिष्ठा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कटा, 4 छटांक, 43 स्क्वार० फुट जमीन का पर 420
नं० पर्ण श्रीपल्ली, पि० एस० वेहाला, कलकत्ता-60 में एक मकान
है।

श्राई० बी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 5-5-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी एन् एस०—

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

सार्वालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० सु० सि० ५/प्रार०-२/कलकत्ता/७८-७९—अत मुझे, आर० बी० लाल मोया
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें डस्के पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय में अधिक है

और जिसकी म० २३ ए०/२७० डायमन्ड हारबार रोड है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाख्य ग्रन्तिसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्वालय रेजिस्ट्रार शाफ एसूरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-९-७८ को प्रदूषकता-स्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई। और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथा प्रदूषकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपरोक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) योग अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्त्य से उक्ता अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(१) अन्तरण से हुई कपा पाय जा बाबत उक्त प्रधिनियम के अधोन रर देने के अन्तरक शपिद्व रक्षी करा या उसमें बचने में सुविधा निए, प्रीरया

(२) ऐसी फिरा आय या फिरा बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे आरनीप पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या २३-फर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग नार्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया तथा या इनका जाना चाहिए तथा त्रिपान में सुविधा के हैं,

अतः प्रथा प्रधिनियम की गाय 269-ब के अन्तरण में मैं उक्त प्रधिनियम की गाय 269-ब की उत्तरा (1) के अधीन लिखित व्यक्तियों, अर्वात् :—

१. कल्यान कुमार नाग

प्लाट नं० २८, सेन्ट्रल गवर्नमेंट ऑफिसर्स, क्वार्टर्स ३०, वेलभेडियर रोड, अलीपुर कलकत्ता
(अन्तरक)

२. मोहन लाल बागेरिया

बिमला बागेरिया,
राजेन्द्र बागेरिया,
राजेश बागेरिया
अभिषेक बागेरिया
अनुराग बागेरिया
२३-बी, सेट जार्ज टेरेस, कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके युर्वेभन ममति अन्तरिती के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५५ नुचना की नामील से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोंवा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पति में हिन्दू बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वा पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के मध्याय 20-क म परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ब्रह्मूल्लभो

अ०शिक उत्तर २३ ए०/१७०, डायमन्ड हारबार रोड, कलकत्ता, जमीन का माप ५०० स्क्वायर मीटर खाली जमीन।

आर० बी० लाल मोया
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता-१६

तारीख : ५-५-७८

मोहर :

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश सं० 404/एकुरे-III /78-79/कल०/239—यतः
मुझे किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० 27 एच है तथा जो वैष्णव घाटा बाह्लेन,
कलकत्ता-47, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कायालिय
आलिपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 कम 16) के अधीन 30 जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के सिए प्रमाणित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधित है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
दीव ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः प्रद, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के प्रमुखण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अवतः :—

1. कामोदा रंजन भट्टाचार्य

27, बिं ०, वैष्णव घाटा बाह्लेन, कलकत्ता-47

(अन्तरक)

2 श्रीमती चिनु भट्टाचार्य,

सं० २ रामनगर, रोड, अगरतला, बिपुरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए
रायेवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एकेन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभासित हैं, वही
प्रयोग होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करोब 2 कट्टा 4 छटांक, 10 स्क्वार फुट जमीन साथ
उस पर बनाया बोल्ला मकान जो 27 एच० वैष्णव घाटा
बाह्लेन थाना, यादबपुर, कलकत्ता-47 पर अब स्थित है और जो
मब-रजिस्ट्रार आलिपुर 24 परगना, द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील
दलिल सं० 2879/1977 के अनुसार है।

किशोर सेन
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 6-5-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी ८० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निदेश सं० एस० 161/एक्यू०—अतः मुझे आमर सिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 38/1 है तथा जो मोहल्ला महमूर गंगा,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक 7-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रन्थ ग्राहितियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगानन्द अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपकारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओमप्रकाश गुप्ता (अन्तरक)
2. श्री संजय कुमार विनय कुमार (अन्तरिती)
3. उपरोक्त विक्रेता
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त नियम के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अप्रोहस्ताश्री के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

दबावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेज नं० वी 38/1 में से 1063 वर्ग मीटर में से
प्रपना 1/4 हिस्सा सम्पूर्ण दो मंजिला है जिसमें कुल छोटे
बड़े 14 कमरे हैं टैक्स सालाना 575/- रु० है। यदि किराये पर
दिया जाये तो 50/- रु० मासिक की आय हो सकती है।
स्थित मोहल्ला महमूर गंगा वाराणसी मध्य आंशिक आ० नं०
221 जिस पर भवर स्थित है ग्राम तुलसी पुर प्र० देहात
ग्रामानत तहसील व जिला वाराणसी तथा सम्पत्ति का वह सब
जोकि सेलडीड तथा फारस 37 जी० सं० 5036 में अंकित है
तथा जो मूल्य उप निवन्धक वाराणसी के कार्यालय में
7-9-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह विसेन
सभाम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 19-4-1978

मोहर:

प्रस्तुप ग्राही ३० एन० एस०-----

अधिकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

वारा उरकार

कार्यालय, सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

निदेश नं० 162-एस०/एक्य०---प्रतः मुझे अमरसिंह बिसेन प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 38/1 है तथा जो महमूर गंज, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अंष्टित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 7-9-77 को पर्वोंकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल मिलनलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कदिन नहीं दिया गया है:—

(क) प्रन्तरण से दूर निकी ग्राम की बाबन उक्त प्रधिनियम के प्रधीन करने के प्रन्तरक के दायित्व में नियोजित या उससे बचने में मुविधा के नियोजित या

(ख) प्रसा किया गया या किसी ग्रन या ग्रन्ड प्राप्तियों की, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरित वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अ०: ग्रन, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10-86GI/78

1. श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता व मन्य

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार व विनय कुमार

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विक्रेता

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पर्वोंकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायेवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ते:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोंकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त प्राक्तों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रमिसेज नं० वी 38/1 में से 1063 वर्गमीटर में से अपना 1/4 हिस्सा सम्पूर्ण वो मंजिला है जिसमें कुल छोटे बड़े 14 कमरे हैं टेंकेस सालाना 575/- रु० है यदि किराये पर दिया जाये तो 50/- रु० मासिक शाय हो सकती है स्थित मोहल्ला महमूर गंज वाराणसी भय आंशिक आ० नं० 221 जिस पर भवर स्थित है ग्राम चुलसी पुर परगना देहात आमानत व तहसील व जिला वाराणसी तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल्डीड तथा फारम 37 जी० संख्या 5034 में दर्ज है, तथा जो मुख्य उपनिवेशक वाराणसी के कार्यालय में 7-9-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-4-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 16 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 207/गढ़शंकर/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पांडी सूरा सिंह और पौसी में स्थित है (और इससे उपाहार अनुसूची में और पूर्ण रूप से विविध है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में गास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए आयया

(क्व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री बत्तन सिंह पुत्र खुशहाल सिंह पुत्र जैमल सिंह वासी गांव पौड़ी सूरा सिंह, तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह पुत्र बत्तन सिंह पुढ़ खुशहाल सिंह, गांव पौड़ी सूरा सिंह और पौसी तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर।
3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयीकरण करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय 15 विधि : य है।

अनुसूची

गांव पौड़ी सूरा सिंह में 32 कनाल मरले जमीन और मगान गांव पौसी जैसा कि लिखा नं० 1981/12-977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भट्टिडा

तारीख: 16-5-1978

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd April 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

S/Shri

1. R. R. Ahir Until further orders w.e.f. 30-4-1978.
2. L. B. Sinate 16-4-78 to 15-7-78.
3. Pritam Lal 16-4-78 to 15-7-78.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

30th April 1978 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEE
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 4th May 1978

No. Admn.I/0.0.8/5-5/Promotion/78-79/24.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the forenoon of 3rd April 1928, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri B. R. Thakur.

K. H. CHHAYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th April 1978

No. A-35018/15/77-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Sunit Choudhury, Sub-Inspector of Police, West Bengal Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st March 1978 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer(E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 29th April 1978

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 12th April 1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 6th May 1978

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 5th April 1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th May 1978

No. O.II-1084/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Gurdarshan Singh Sarna as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 17th March 1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Asstt. Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 30th April 1978

No. 240/A.—In continuation of Notification No. 2039/A, dated 13th February 1978, the *ad-hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, India Security Press are extended for a further period upto

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 4th May 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/155/54-Admn(G)/3371.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the forenoon of the 4th January 1978, until further orders.

No. 6/302/55-Admn(G)/3363.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the forenoon of the 4th January 1978, until further orders.

K. V. SESHA DARI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 3rd May 1978

No. A.12011/5/77-DCH(Admn.II).—The President is pleased to appoint Shri Swapan Kumar Ghosh as Assistant Director Gr. I (Dyeing) in the Weavers' Service Centre, Bhagalpur with effect from the forenoon of the 7th September 1977 and until further orders.

(Km.) R. SAHNI
Dy. Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th April 1978

No. A.1/1(650).—The President is pleased to appoint Shri H. L. Aneja, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis in the same Directorate General at New Delhi from the afternoon of the 21st March 1978 until further orders.

The 28th April 1978

No. A-1/1(714).—The President is pleased to appoint Shri N. Shankar, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis in the Directorate General of Supplies & Disposals with effect from 3rd April 1978 until further orders.

Shri Shankar relinquished charge of the post of Deputy Director in the office of Director of Supplies (Tex.) Bombay in the afternoon of 30th March 1978 and assumed charge of the office of Director of Supplies and Disposals, Kanpur from the forenoon of the 3rd April 1978.

No. A-1/1(1105).—The Director General of Supplies and Disposals, hereby appoints Shri Gian Chandra, Supdt. in the office of the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Grade II) on regular basis in the office of the D.G., NI Circle, New Delhi with effect from the forenoon of 10th April 1978 and until further orders.

No. A-1/1(1121).—The Director General, Supplies and Disposals hereby appoints Shri T. R. Rajagopalan, Supdt. in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 14th April 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd May 1978

No. A-19011(198)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Rm. Ramanathan to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th April 1978 until further orders.

L. C. RANDHIR
Sr. Administrative Officer
for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-700016, the 4th May 1978

No. 3157/B/40/59(KMG)/19A.—Shri K. M. Goswami received charge of the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Air Defence Regiment, in the same capacity, from the forenoon of 1st April 1978.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 6th March 1978

No. 4-144/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. S. Bhattacharya to the post of Assistant Linguist in this Survey at Southern Region, Mysore, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 4th February 1978, until further orders.

The 21st March 1978

No. 4-151/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) Shibani Roy to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Western Region Udaipur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 28th February 1978, until further orders.

The 22nd March 1978

No. 4-146/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri P. B. V. S. Padmanavam to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd February 1978, until further orders.

C. T. THOMAS
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st May 1978

No. 10/18/77-SIII.—On repatriation back to Post and Telegraph Department (General Manager, Telecommunications) Hyderabad, Andhra Pradesh, Shri S.F.R. Biyabani, Assistant Engineer, All India Radio, Hyderabad was relieved of his duty from Akashvani on the afternoon of 31st March 1978.

HARJIT SINGH
Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 3rd May 1978

No. 10/101/61-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri T. S. Venkatesan, Accountant, High Power Transmitter, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at High Power Transmitter, All India Radio, Rajkot with effect from 3rd April 1978 (F.N.), until further orders.

C. G. SRINIVASAN
Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 13th April 1978

No. A-12026/2/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Executive to officiate as Assistant Business Manager vice Shri C. B. Gupta, Assistant Business Manager in this Division granted leave for the period from 20th March 1978 to 12th May 1978.

2. This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri Jain a claim for regular appointment in the grade of Assistant Business Manager. This service also will not count for the purpose of seniority in that grade.

INDRAJ SINGH
Dy. Director (Admn.)
for Director

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 3rd May 1978

No. A-19012/11/70-Exh(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri R. N. Khanna to officiate as Assistant Research Officer (Visual) in this Directorate at New Delhi in a purely temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 29th March 1978 (Forenoon) until further orders.

S. K. MUKERJI
Dy. Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 28th April 1978

No. 6-26/75-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Roy to the post of Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 17th April 1978 in an officiating capacity and until further orders.

The 6th May 1978

No. A.12026/27/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Km. L. M. Rebello, Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Deputy Assistant Director General (Research) in the same Bureau on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 11th April 1978 until further orders.

Consequent on her appointment to the post of Deputy Assistant Director General (Research), Km. L. M. Rebello relinquished charge of the post of Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the forenoon of 11th April 1978.

The 10th May 1978

No. 6-8/77-DC.—On the expiry of the extension of service granted to him after attaining the age of superannuation, Dr. R. Chanda, Deputy Director, Central Drugs Laboratory Calcutta, retired from service on the forenoon of 17th April 1978.

No. A.12025/1/77-DC.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Jogi, to the post of Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 5th April 1978 until further orders.

Dr. (Smt.) Dipali Roy, relinquished charge of the post of Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day and assumed charge of the post of Associate Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 5th April 1978, until further orders.

Shri A. K. Khasnabis, relinquished charge of the post of Associate Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta on the forenoon of 5th April 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

MEDICAL (HOSPITAL) SECTION

New Delhi, the 4th April 1978

No. D.28016/1/77-MH.—While proceeding on earned leave, Dr. Shashi K. Pande, a Superlative Grade I Officer of the C.H.S., relinquished charge of the post of Director and Medical Superintendent, Central Institute of Psychiatry Ranchi on the afternoon of 2nd August 1977.

On return from leave, Dr. Shashi K. Pande, a Superlative Grade I officer of the CHS, assumed charge of the post of Director & Medical Superintendent, Central Institute of Psychiatry, Ranchi on the forenoon of August 4, 1977.

S. D. VOHRA
Asstt. Director

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

DEPARTMENT OF AGRICULTURE DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 24th April 1978

No. F.2-10/76-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati in the posts of Superintendent (Grade I) are further continued beyond 30th April 1978 and upto 31st August 1978.

The 3rd May 1978

No. F.2-11/77-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointment of Shri K. B. Nayar as Asstt. Exhibition Officer (Grade-I) will continue beyond 28th February 1978 upto 31st August 1978.

I. J. KAPUR
Director of Admn.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd May 1978

No. A.19023/3/78-A.III.—The short term appointment of Shri S. P. Bhasin to the post of Marketing Officer (Group I),

sanctioned upto 1st May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/4/78-A.III.—The short term appointment of Shri K. Suryanarayana to the post of Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 29th April 1978, *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/5/78-A.III.—The short term appointment of Shri R. Narasimhan to the post of Marketing Officer (Group I), at Sirpur, sanctioned upto 27th May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978, or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/8/78-A.III.—The short term appointment of Shri A. C. Guin to the post of Marketing Officer (Group I), at Surat, sanctioned upto 20th May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/21/78-A.III.—The short term appointment of Shri J. N. Rao to the post of Marketing Officer (Group I) at Nagpur, sanctioned upto 13th May 1978, *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/38/78-A.III.—The appointment of Shri V. E. Edwin, to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), on short-term basis for a period of 3 months with effect from 18th January 1978 (F.N.), notified *vide* this Directorate's Notification of even No. dated 15th February 1978, has been extended upto 17th July 1978 or until the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/62/78-A.III.—Shri Ram Shabd Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 25th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/79/78-A.III.—Shri Ram Yu Singh Yadav, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 25th April 1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 8th May 1978

No. A.19025/69/78-A.III.—Shri D. N. Rao, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 29th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 9th May 1978

No. A.19025/63/78-A.III.—Shri B. N. K. Sinha, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Patna, with effect from 29th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Admin.
for Agricultural Marketing Adviser

NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 13th February 1978

No. NEC.123/76.—Further to this Council Secretariat Notification of even number dated 23rd July 1976, the tenure of deputation of Shri Syed Aftab Ahmed, a permanent Grade III

& Officiating (ad-hoc) Grade I Officer of Central Information, working as Editor, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi, currently on deputation to the North Eastern Council Secretariat, Shillong, as Public Relations Officer, is extended for a further period of one year from 13th July 1978 to 12th July 1979 on the existing terms and conditions.

The 4th March 1978

No. NEC.71/77.—Further to this Council Secretariat order of even number dated 11th May 1977 the tenure of deputation of Shri A. K. Sarma, Superintendent, HQ IGAR, Shillong, now on deputation to North Eastern Council Secretariat, Shillong as Section Officer, is extended for a further period of one year from 1st May 1978 on the same terms and conditions as contained in this Council Secretariat order referred to above.

K. M. MIRANI
Secy.
North Eastern Council Shillong

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 4th July 1977

No. PA/73(11)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Sampige Nanjundiah Sreenath to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity with effect from the afternoon of June 15, 1977 until further orders.

The 6th August 1977

No. PA/79(6)/77-R-IV.—On transfer from the Tarapur Atomic Power Station, Shri Jerome D'Costa, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in that Station is appointed as an Officer in the Assistant Administrative Officers' Grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 6, 1977 until further orders.

The 1st October 1977

No. PA/79(6)/77-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Swaminath Sitalakshmi, a permanent Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960) in the same Research Centre as under :—

(i) From July 19, 1977 (FN) to September 18, 1977 (AN) on an *ad-hoc* basis

and

(ii) From the forenoon of September 19, 1977, until further orders on a regular basis.

The 20th February 1978

No. PA/73(1)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anupoj Bhagavati Bhimaling Acharya as Resident Medical Officer in Variable Energy Cyclotron Project, Calcutta of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of January 31, 1978 until further orders.

The 4th March 1978

No. PA/87(6)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pramod Vinayak Bhagwat as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of November 24, 1977, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R.)

Bombay-400085, the 15th April 1978

Ref. PA/79(6)/78-Estt.II/1549.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. P. Raman Pillai, a permanent U.D.C. and officiating Selection Grade Clerk in Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in the same Research Centre with effect from 6th April 1978 (FN) until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 5th May 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./13701.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated March 8, 1978 Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Harihara Iyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending June 30, 1978 or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 27th April 1978

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri J. K. Sharma, Accountant of the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 26th April 1978 to 9th June 1978 vice Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer granted leave.

Shri J. K. Sharma will stand reverted to the post of Accountant with effect from the date on which Shri D. S. Israni report for duty.

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri I. S. Mokha, Accountant of the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd April 1978 to 3rd May 1978 vice Shri K. S. Srinivasan, Assistant Accounts Officer granted leave.

Shri I. S. Mokha will stand reverted to the post of Accountant with effect from the date on which Shri K. S. Srinivasan report for duty.

The 28th April 1978

No. AMD-2/2720/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, has accepted the resignation submitted by Shri Swapna Kumar Biswas a Temporary Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB with effect from 10th February 1978 (Forenoon).

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th May 1978

No. 05000/J-62/2059.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivaji Bapurav Jagdav to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Baroda), in a temporary capacity, w.e.f. April 4, 1978 (FN), until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

Bombay-400 039, the 27th April 1978

No. APA/Adm/16/88/78.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority, hereby appoints Shri H. N. S Gaur, on transfer from the Tarapur, Atomic Power Station, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Power Authority (Central Office) in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 27, 1978, until further orders.

S. MURALI
Chief Adm. & Accounts Officer
for Chairman-cum-Chief Executive

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakkam-603 102, the 21st April 1978

No. CEG/1(6)/78-Adm.—Chief Engineer (Civil) Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakkam, appoints S/Shri P. S. Gopalan and R. Sri-moolanathan temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakkam with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

V. S. VENKATESWARAN
Administrative & Accounts Officer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 1978

No. SAC/EST/CA/AFD/26/78.—The Director is pleased to appoint Shri K. V. Patel as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from March 4, 1978 until further orders.

S. G. NAIR
Head, Personnel & Gen. Admin

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th May 1978

No. A. 32013/8/77-EC.—In continuation of the Department Notifications No. A. 32013/17-/76 EC, dated 27-6-77 & 16-7-77 No. A. 32013/8/77-EC dated 29-8-77 and 10-10-77, the President is pleased to extend the ad-hoc promotion of the following Deputy Directors/Controller of Communication in the Civil Aviation Department for a further period beyond 30-4-7 upto the dates indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	date upto which ad-hoc appoint- ment extended
1.	S/Shri M.S.Krishnan	Dr. Director, D.G. C.A. HQ. New Delhi.	29-6-78
2.	S.K. Das	Regional Controller of Communi- cation Calcutta.	28-6-78
3.	A.N. Nath	Controller of Com- munication, A.C.S, Mdars	2-6-78
4.	V.K. Kalra	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	31-7-78
5.	B.S. Grewal	Controller of Commu- nication, A.C. S, Calcutta.	31-7-78

The 6th May 1978

No. A.32013/1/78-EC.—In continuation of this Dep'tt Notification No. A.32013/1/78-EC, dated 5th April 1978, the President is pleased to sanction the continue ad hoc appointment of Shri K. R. Ramanujam, Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer in the leave vacancy beyond 23rd March 1978 and upto 6th May 1978 vice Shri T. R. Shastri, Technical Officer, ACS, Bombay granted earned leave.

The 8th May 1978

No. A.22015/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the proforma promotion of Shri S. S. Nepali, Technical Assistant at present on deputation to Territorial Army to the grade of Assistant Technical Officer with effect from 6th January 1976 (FN) and until further orders.

No. A.38012/1/77-EC.—Shri S. Thirumalai, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station Madras relinquished charge of his office on the 31st March 1978 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Dy. Director of Admin.

New Delhi, the 1st May 1978

No. A. 32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointments of the following Assistant Aerodrome Officers for a period of six-months, with effect from the date mentioned against each, or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :—

S. No.	Name	Date	Station
1.	Shri Gopal Singh	11-4-78	Varanasi
2.	Shri M. Gopal	15-4-78	Bangalore
3.	Shri C.G. Page	11-4-78	Santacruz
4.	Shri Y.L. Soni	11-4-78	Dum Dum
5.	Shri M.M. Bhardwaj	12-4-78	Varanasi
6.	Shri K.C. Biswas	11-4-78	Dum Dum
7.	Shri V.V. Divekar	11-4-78	Ahmedabad
8.	Shri S. Manian	15-4-78	Tiruchirapalli
9.	Shri S.L. Biswas	11-4-78	Dum Dum

The 3rd May 1978

No. A.32013/4/77-EA.—The President has been pleased to appoint Shri M. M. Simon, Instructor-in-Charge, ATS, CATC to the post of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity with effect from the 13th April 1978 and until further orders, Shri Simon is posted as Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Admin.

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 6th May 1978

No. 16/293/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Bhushan Lal Dhar, as Research Officer on regular basis with effect from forenoon of 26th September 1977 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Quarter ending 31st March, 1978

Bombay-400020, the 5th May 1978

Stt./4/1977-78.—In exercise of the Powers conferred on me by Sub-Rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in Sub-Rule (2) of the persons who have been convicted by a Court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed, by an Officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows :

S. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5

N I L

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Name of the person on whom a penalty of Rs. Ten thousand or more has been imposed by an Officer referred to Section 33 of the Act.	Address	Provisions of the Act or Rules made therunder Contra- vened.	Amount of penalty imposed	Value of Excis- able goods ad- judged by an Officer under Section 34 to be con- fiscated.	Amount of fine in lieu of con- fiscation under Section 33 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
1.	Shri K.K. Saraiya, Prop. of M/s Saraiya Engineering Company.	159/3, Caval Cross Lane, No. 6, Bom- bay, No. 400002	Rules 174 read with Section 6, 173F, 173G(1) read with Rule 9(1) 173G(2) read with 52-A, 173G(4) read with Rules 53 and 226 of C. Excise Rules, 1944.	Rs. 2,00,000/- under Rule 173-Q, Rule 52-A and Rule 226 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 1,968/-	Rs. 486/-
2	M/S Fibreglass Pilkington Limited.	Post Box No. 211, Lal Bahadur Shastri Marg, Thane.	Rules 173G(4) read with Rules 53 and 226 and Rule 47 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 1,00,000/- under Rule 173-Q, for their contra- vention of Rule 173G(4) of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 39,47,230 18	Rs. 1,00,000/-
3	M/S Suneel International Bombay.	127-Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34.	Rules 174, 173B, 173C, 173 F, 173F(1) read with 9(1), 173G(2) read with 52A, 173G (4) read with 53 and 226 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 10,000/- under Rule 173-Q of C Ex. Rules 1944	Rs. 45,000/-	Rs. 10,000/-

J. M. VARMA,
Collector of Central Excise, Bombay

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

Delhi-12, the 5th May 1978

CORRIGENDUM

C. No. II(3)(1)/78-Estt.—In the third line of Notification No. 15/1978 issued from Central Revenues Control Laboratory, New Delhi under C. No. II(3)(1)/78-Estt, the word New Central Excise Laboratory, Bombay should be read as Custom House Laboratory, Calcutta.

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 24/1978.—On transfer Shri V. D. Kanchagar, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Bombay has assumed charge in the same capacity in the Regional Laboratory, Custom House, Marmagao with effect from 21st March 1978 (F.N.).

KESHAV PRASAD
Deputy Chief Chemist Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th May 1978

CORRIGENDUM

No A-19012/663/77-Adm.V.—The date of appointment shown in Paras 1 and 2 of Notification of even number dated 11th January 1978 and serial No. 3 against Shri V. V. Ramana Sarma, Assistant Engineer *vide* Notification No. A-32014/1/77-Adm.V, dated 28th February 1978 may be read as 31-8-77 (F.N.) instead of 31-8-77 (A.N.)

The 9th May 1978

No A-32012/2/70-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/39/77-Adm.V, dated the 16th January 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri D. S. Kaloti to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary

basis for a further period of six months from 11th May 1978 to 10th November 1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

J. K. SAHA
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 28th April 1978

No. 6/8/77-Adm. II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Supervisors/Research Assistant (Engineering) to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. the dates mentioned against their names :

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri Dhani Ram, Supervisor .	30-1-78 (F.N.)
2.	Shri Devinderjit Singh, Supervisor .	30-1-78 (F.N.)
3.	Shri Maharaj Singh Manoj, Sup. .	30-1-78 (F.N.)
4.	Shri M. Eswaran, Research Assistant (Engg.) . . .	4-2-78 (F.N.)

No. 6/6/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri P. C. Verma, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 31st March 1978 (A.N.), until further orders.

The 4th May 1978

No. 6/8/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri N. V. Prasad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 30th March 1978 (A.N.) until further orders.

No. 6/5/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri T. R. Sohal, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 17th March 1978 (F.N.) until further orders.

S. BISWAS
Under Secy

MINISTRY OF RAILWAYS
(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 3rd May 1978

Sub—Jurisdiction adjustments on Central and South Central Railways.

No. 77/EB/1510.—It is hereby notified for general information that Shahabad—Wadi (including) section has been transferred from Guntakal Division of South Central Railway to Solapur Division of Central Railway with effect from 1st March 1978. The interchange of traffic between Central and South Central Railways for Guntakal, Solapur and Secunderabad Divisions will, however, take place at Wadi under the control of the Central Railway.

P. N. MOHILE
Secy., Railway Board &
ex-officio Jt. Secy.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 24th April 1978

No. HPB/220G/I/W/PT-II The following Junior scale officers of the Civil Engineering Department are confirmed in Senior scale in that Department from the date shown against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Date of confirmation
1.	Shri G.K. Limaye . . .	1-11-75
2.	Shri M.R. Ranganath . . .	6-11-75
3.	Shri A.S. Agarwal . . .	1-3-76
4.	Shri N.P. Vithal . . .	1-4-76
5.	Shri N.P. Nagarkar . . .	1-8-76
6.	Shri V.S. Subramanian . . .	1-9-76
7.	Shri N. Appukuttan . . .	1-12-76

P. R. PUSALKAR,
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 4th May 1978

No. E/55/III/94 Pt. IV(O).—Shri N. M. Mukherjee is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 1st October 1977.

M. R. N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Intercean Services Corporation Pvt. Limited.

Bombay, the 27th April 1978

No. 9289 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Intercean Services Corporation Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Trident Hotels (Pvt.) Ltd.

Bombay, the 27th April 1978

No. 16064/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Trident Hotels (Pvt.) Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI V. A. VIJAYAN MENON
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s The Sincere Shipping Company Limited

Madras-600 006, the 2nd May 1978

No. 6037/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Sincere Shipping Company Limited

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of Companies Act 1 of 1956
and

In the matter of Sri Jagannath Satish Chemical Industries Limited

Calcutta, the 3rd May 1978

No. 1/19425/H-D/1810.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 9-3-1976 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the matter of the Companies Act, 1 of 1956
and

In the matter of Industrial & Chemical Plants Limited
(In Liqd.)

Calcutta, the 3rd May 1978

No. 1/22431/H-D/1779.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 22-9-75 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULIK
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal, Calcutta

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
People's Bank Limited

Bangalore, the 8th May 1978

No. 21/ROC/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Peoples Bank, Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies,
Karnataka

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Siva Associate, (P) Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 7208/7/8608.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Siva Associate, (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of
U.P. Shock Absorbers Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 7269/8/8606.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Shock Absorbers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

FORM ITNS

(1) Ibrahim S/o Anta Bux,
Resident of Sarai Chalila, Parg. Baran,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Bhanwar Singh S/o Bijjan Singh,
R/o Mesona Majra, Sarai Chalila,
Parg. Baran, Distt. Bulandshahar.
Smt. Vimla Devi W/o Sukha Singh
Ismaila,
Parg. Baran, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th April 1978

Ref. No. Acq./1387-A/B. Shahar/77-78/488.—Whereas I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 24-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4 Bigha 18 Biswa, situated at Village Sarai Chalila, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,450/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

- (1) 1. Kuanji Meherukh Barjorji Karni;
 2. Kumari Kashmira Barjorji Karai;
 3. Kumari Rashna Barjorji Karai of Navsari
 Now at Bombay.
 (Transferees)
- (2) 1. Shri Parbhubhai Nathubhai Patel;
 2. Shri Anrutkai Nathubhai Patel;
 3. Shri Narottambhai Nathubhai Patel;
 4. Shri Suwanbhai Nathubhai;
 5. Shri Zaverbhai Nathubhai of Navsari
 Dist. Bulsar.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
 ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1978

Ref No. P. R. No. 583 Acq 23-1007/7-4/77-78.—Whereas,
 I. D. C. GOEL,
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No. Lka No. 4/5, Sur. No. 59-B, Ward No. 2, Nondh No. 520, 521/2-3, situated at Chitnna Road, Opp. Vasant Talkies, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 19-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building bearing Lka No. 4/5, Sur. No. 59-B Ward No. 2, Mun. No. 520, 521/2-3 situated at Chitnabai Road, Opp. Vasant Talkies, Navsari admeasuring 308-53 sq. mtr. as described in the sale-deed registered under registration No. 2308 in the month of Sept., 1977 by registering Officer, Navsari.

D. C. GOEL**Competent Authority**Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-5-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Prabhakar Yaywantrao Jakatdar,
Group Captain, Fourth Lane, H.A.L.
Township, G. T. Road, Kanpur (U.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Fatimabegam Amjadalikha,
T. T. Nagar, Bhopal.
2. Smt. Pashasultana Hanifkha, C/o
Heavy Electricals, Bhopal.

(Transeree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 4th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/61/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-VASTAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Part portion of plot No. 36-1, 15120 Sq. ft. Sheet No. 34,
House No. 136, Tandon Ward, Bhandara
situated at Bhandara
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Bhandara on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part portion of plot No. 36-1, 15120 Sq. ft. Sheet No. 34,
House, No. 136, Tandon Ward, Bhandara.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 4-4-1978
Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1978

No. Acq. 23-L-1392(658)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 184, 185 paiki Final Plot No. 569 Sub-Plot No. 21, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Mahendra Pranlal Shah;
2. Smt. Hirilaxmi Wd. of Pranlal Maneklal
Near Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferors)

(2) 1. Radhika Apartment Coop. Hsg. Society Ltd.,
C/o N. H. Patel & Co.,
7-Ravi Chambers, 2nd Floor, Nr. Relief Cinema,
Relief Road, Ahmedabad.

(Transferees)

2. Radhika Apartment Coop. Hsg. Society Ltd.,
through Chairman :
Shri Ramniklal Gandhi, & Others,
4-Walkeshwar Society, Ambawadi,
Ahmedabad-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 745 sq. yds. situated at Paldi bearing S. No. 184, 185 paiki Final No. 569—Sub-Plot No. 21, duly registered by Registering Officer as per sale-deed No. 6134 dated 19-9-1977 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Amrit Kaur, Wd/ Sh. Sunder Singh,
r/o Bazar Satowala, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Davinder Kumar s/o Sh. Ganpat Ram
r/o Bz. Kubi Beri, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/8/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 417/VIII-3 MCA, situated at Bz. Satowala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (16 of 1908) in the office of the registering officer at City Amritsar in September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 417/VIII-3-MCA Bazar Satowala, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1979 of Sept. 1977 of Registering Authority Amritsar city.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/9/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 317, situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) S/Shri Bakshish Singh s/o Sh. Jaswant Singh, Jaswant Singh s/o Sh. Wasawa Singh, r/o Abadi East Mohan Nagar, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Narainjan Singh Chopra s/o Sh. Sant Singh, 29-Sir Gopal Dass Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 317, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Regd. deed No. 1837 of September 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 1-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sh. Ram Sahai s/o Lala Gian Chand,
Bazar Dal Mandi,
Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Manohar Lal, Narinder Paul, Surinder Kumar
s/o Sh. Gian Chand,
Sh. Gian Chand s/o Sh. Chanan Ram,
& Smt. Kailash Wati w/o Sh. Gian Chand,
r/o Nimak Mandi, Gali Sunarian,
Amritsar.

(Transferees)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/10/78-79.—Whereas J. S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 3631/10, situated at Gali Sewa Sayal, Kt. Dulo, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar city in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—86GI/78.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3631/10, Gali Sewa Sayal, Kt. Dulo, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1962 of September, 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1978

Ref. No. ASR/11/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop situated at Kt. Jaijal Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aforesaid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Barkat Ram s/o Sh. Munshi Ram, Chowk Farid, Amritsar, self wasiyat Mukhtar Khas Min Jaanab Smt. Shaati Devi wd/o Sh. Sardar Lal, Pawan Kumar s/o Sh. Sardar Lal, Smt. Usha Bawa, Smt. Veena Kumari, daughter of Sardar Lal, Smt. Leelawati wd/o Sh. Ram Nath, Smt. Vijay Kumari, Smt. Indu Bala, Smt. Prem Darshan daughters of Sh. Ram Nath, Sh. Inder Kumar s/o Sh. Ram Nath, Sh. Hazari Lal s/o Sh. Munshi Ram, Chowk Passian, Amritsar.
(Transferors)

(2) Sh. Jugal Kishore s/o Sh. Khushi Ram Khanna and Smt. Sudha Khanna wd/o Sh. Prem Kumar Khanna and Sh. Deepak Kumar (Minor) s/o Sh. Naval Kumar R/o Lawrence Road, Amritsar.
(Transferees)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in Kt. Jaijal Singh, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 2016 of Sept., 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

- (1) Smt. Gian Devi wd/o Mohan Lal,
Sh. Brij Mohan s/o Sh. Hata Ram,
Smt. Chand Rani daughter of Sh. Gujar Mal,
resident Albert Road, Amritsar. (Seller)
(Transferors)
- (2) Sh. Wassan Singh s/o Sh. Mohan Singh,
15/88 share,
Subagh Singh, Lakhvinder Singh ss/o
Sh. Sohan Singh,
15/88 share
Sh. Bhagwant Singh, Balwant Singh ss/o
Sh. Asha Singh,
Hardeet Singh s/o Sh. Harbans Singh,
109/704 Sh. Balwinder Singh, Lakhwinder Singh
ss/o Sh. Chanan Singh,
Vill. Khokh, Teh & Distt. Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1978

Ref. No. ASR/12/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Vill. Khokh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar Tehsil in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands as mentioned in the Regd. Deed No. 3468 of September 1977 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR**

Amritsar, the 11th May 1978

Ref. No. JBI /13/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Vill. Burj
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Satbir Singh s/o Sh. Ajit Singh,
Village Burj, Teh. Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pal Kaur w/o Shri Mann Singh,
Village Burj, Teh. Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as mentioned in the regd. deed No. 615 of September, 1977 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1978

Seal .

FORM ITNS

(1) Sh. Gopi Nath son of Sh. Amar Ditt
Resident of 30-L, Model Town,
Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269B(I) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th May 1978

Re. No. 1DII/179/77-78.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double storey shop Old No. B-7-35 and New No. 7S-1/56, situated at Chaura Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) S/Shri
 (i) Pishori Lal son of Sh. Devi Dial
 (ii) Ashok Kumar }
 (iii) Baldev Raj } sons of Shri Pishori Lal
 (iv) Vishva Mittar }
 (v) Kuldip Kumar }
 (vi) Vijay Kumar }
 (vii) Rajesh Kumar } Residents of 1702 New Building Arya Mohalla,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A double storey shop old No. B-7-35 and New No. B-7S 1/56 situated in Chaura Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in Registered Deed No. 1656 of August, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1978

Ref. No. 24/Sept/77.—Whereas I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

97-C, situated at Ramnad Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 1797/77) on 17-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. M/s. N. K. Sitharam,
2. Damodaran,
3. Sudarsan, minors by father & guardian
4. Sathyam, Shri N. K. Sitharam,
5. Chandrasekaran, No. 7A, Meenakshiuram 3rd Street, Kamaraj Road, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Vinija Ammal
W/o K. P. S. Ramu Chettiar,
No. 7, Kathreeja Beevi Street,
Paramakudi town, Ramnad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,000 sft. with building thereon at door No. 97-C (I.S. No. 630), Ramnad Road, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date 29-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri M. Ramamurthy,
No. 3, Damodara Mudali Street,
Panchavadi, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1978

Ref. No. 35/SEPT/77.—Whereas I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54A, situated at Dr. T. V. Naidu Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Dec. No. 2568/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Mrs. Manonmani Shanmugam,
W/o Dr. R. Shanmugam,
No. 54-A, Dr. T. V. Naidu Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 3,871 sq. ft. with building thereon at door No. 54A (R.S. No. 449/6), Dr. T. V. Naidu Road, Chetput, Madras-31.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. K. C. Venkita Chettiar,
S/o Shri Chinnan Chettiar,
Alms House road, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs K. Mohamma Saibaba
W/o Shri Saibaba
'Sunview'
Ootacamund.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 4458/Sep. 77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No 4109/3A, situated at Ootacamund (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 1138/77) on 2-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An extent of 52 cents of land out of a total of 66.8/16 cents along with Edgeworth Main Building and cottage now named as 'Sunview' in Ootacamund Town in R.S. No. 4109/3A.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Modanad Tea Estates Co.
Kodanaad Estate Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4479/Oct/77.—Whereas I, K PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 65, situated at Kodanaad village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (D.C. 746/77) on 3.10.1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13—86GI/78.

- Sauvashri :
 (2) 1 M. Ajjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 2 M. Nanjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 3 N. Nanjan S/o Vita Nanjan;
 4. S. A. Mahaliham;
 5 S. A. Nanjan;
 6 A. Manian S/o Ajja Gowder
Kottanally,
Nedugula P.O.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.20 Acres of land in R.S. No. 65 of Kodanaad village

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 6.

D. T. 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) The Kodanad Tea Estates Co.
Kodanaad Estate, Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4479/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 82, situated at Kodanaad village (38.60 acres) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Doc. No. 747/77) on 3-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) Sarvashri
 1. M. Ajjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 2. M. Nanjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 3. N. Nanjan S/o Vita Nanjan;
 4. S. A. Mahalingam;
 5. S. A. Nanjan
 6. A. Manian S/o Ajja Gowder
 Kottanally
 Negugula P.O.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

38.60 Acres in R.S. No 82 of Kodanaad village.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. PONNAN
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4489/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23/123 and 124,

situated at New T. S. No. 1404 Oppanakkara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 2085) on 5-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri G. V. Srinivasan, S/o late G. Venkataram
Asst. Station Master, Salem Junction.
2. Shri G. V. Sundar Raj.
3. Shri S. Balakrishnan.
4. Shri S. Sivaprakasam.
5. Shri S. Vijayakumar.
6. Shri S. Prabhakaran.
7. Shri S. Ravi.
8. V. Suseela.
9. V. Saroja.
10. Kokila Raju.
11. S. Krishna Thilakam and S. Vasantha.

(Transferor)

- (2) Shri T. P. Krishnan
No. 203 B.B. Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3651 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 23/123 and 124 (New T.S. No. 6/1404), Oppanakkara Street, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4490/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23/233, 234 & 235,

situated at Rangai Gowder Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR I Coimbatore (Doc. No. 2129) on 12-10-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri S. Sabul Hameed
S/o late Shautha Rowther
S/o late Shautha Rowther
Nos. 233, 234 and 235 Rangai Gowder St.
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri M. Kader Shariff
S/o Shri K. Masthan Sahib
25/20 Pattunoolkarar Lane,
Rangai Gowder St.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 23/233, 234 and 235 (New T.S. No. 6/1256), Rangai Gowder Street, Coimbatore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961),

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thurunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

- (2) Shri M. Kali Mudaliar,
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferee)

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Door No. 5 Plot No. 7,
situated at Greams Road, Madras-6 (Ground floor)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
T. Nagar, Madras (Doc. No. 637/77) on 9-9-1977
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Ground floor in Door No. 5 (Plot No. 7) Gream Road, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 634/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferors)

- (2) Smt. K. Kanniammal
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and First floor in Door No. 5 (Plot No. 7) Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferors)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

- (2) Smt. K. Kanniammal
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Second Floor, situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 637/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Second floor in Plot No. 7 Door No. 5 Greams Road, Madras-6.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-6

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1978
Seal

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri M. Murugesa Naicker;
 2. Shri M. Thirunavukkarasu;
 3. Shri M. Anandan
 No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
 4. Shri T. Govindaswamy
 No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
 Madras-18.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

- (2) Shri S. Thirunavukkarasu
 Tank Street,
 Chunnampet, Madurantakam,
 Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Third Floor, situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 636/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Third floor in Plot No. 7, Door No 5, Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 8029/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, Elango Nagar situated at Mudaliarpet, Pondicherry.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1597/77) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14--86GI/78.

(1) Smt. Savithri ammal
W/o Shri Venkitaranga Reddiar
No. 127 Nalave Subbaya Chetty St.
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Shri Alexander Ramalingam
No. 10 Thambi Naicker St.
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 21, Elango Nagar, Mudaliarpet, Pondicherry.
(Doc. No. 1597/77 Pondicherry).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devlal Govind Mistri,
r/o Niyamatpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/988.—Whereas, I, R. K. BALI,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Burhanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 22-9-1977
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 71, Block No. 34, at Mohalla Niyamatpura, Burhanpur.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Bai Sukhlalji Dagdi,
r/o 27, Street No. 2, Cheepabakhal, Indore.
(Transferor)

(2) Smt. Shardabai Jodhraj,
r/o 6, St. No. 3, Cheepabakhal, Indore.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/989.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6, Street No. 3, at Cheepa Bakhali, Indore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Champalalji Malviya
s/o Shri Goelalji Malviya,
c/o Dakota Tailors,
11/M. Y. Hospital Road, Indore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

(2) Shri Hardayalsingh
s/o Shri Chandsingh,
19/2, Chhotigwaltoli, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/990.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Indore on 23-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House constructed on plot No. 103, Janki Nagar Extension Colony, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Waman Bhaskar Bhide,
1202 : 32 Apte Road, Pune.

(Transferor)

(2) Smt. Sau. Sunita Pendse
Ramekar Deshamukh Wada, Jogalekar Plots,
Amarawati, (Maharashtra State).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/991.—Whereas, I, R. K. BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 26, Narayanbag, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariram Gera,
s/o Khemchandji Gera,
r/o 125, Jairampur Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Arjundas
s/o Shri Rupchandraji Sebkani,
r/o Palshikar Colony, Indore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/992.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 21-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any money's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Three storeyed house bearing No. 125, at Jairampur Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/993.—Whereas, I, R. K. BALI,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. House situated at Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Indore on 26-9-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Vimlaben w/o Shri Ambalal Patel,
through : Shri Ambalal Chaturbhuj Patel,
Tobacco Merchant, Sadar Bazar, Sannwad.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Bhagwatidevi w/o Shri Krishnagopal
wari;
2. Shri Umeshchandra;
3. Shri Narottam Kumar;
4. Shri Dinesh Kumar;
5. Shri Pradumankumar,
(All sons of Shri Krishnagopal Maheshwari,
Advocate, All R/o 11 Main Street, Mhow.

(Transferee)

* (3) S/Shri 1. Kishorekumar; 2. Budrilal, 3. Gopalji, 4.
Radheshyam; 5. Gurupalsingh; 6. Shivnarayan; 7.
Dilbahadursingh, (occupants the property).

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 58, Janki Nagar, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Kumar s/o Shri Khazan Chand,
Anaj Mandi, Tohana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sucha Singh, Tarsem Singh, Piara Singh
ss/o Shri Didar Singh near H. S. E. B. Office
Chandigarh Road, Tohana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th May 1978

Ref. No. THN/6/77-78.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 140 kenal 14 marla situated at Tohana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tohana in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 145 kenal 14 marla situated at Tohana.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 972 dated 11-8-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana."

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jhanda Singh s/o Shri Inder Singh,
R/o Batala.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Vishwa Mittar Bhatia s/o
Shri Jiwanda Mal Bhatia, R/o H. No. 209-J/R,
Model Town, Yamuna Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th May 1978

Ref. No. IDR/26/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No 56, Railway Workshop Road, situated at Yamuna Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

15—86GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A corner plot measuring 420 sq. yards bearing No. 58, Railway Workshop Road, Yamuna Nagar.

(Property as mentioned in the sale deed registration (d) at serial No. 2219 dated 8-9-1977 with the Sub-registrar, Jagadhri).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP/192/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Patti Rasal Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on November 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kesar Ram s/o Shri Nand Ram,
R/o vill. Patto Hira Singh.

(Transferor)

(2) Shri Pargat Singh s/o Shri Nichhatar Singh,
R/o village Ramu Wala & S/Shri Rajinder Singh,
Jaswinder Singh, ss/o Shri Avtar Singh,
R/o vill. Ramu Wala.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Bighas & 4 Biswas in village Patti Rasal Jaitu as mentioned in sale deed No. 1021 of November 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-4-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Khiwa Singh s/o Shri Ganpat Singh s/o Shri Kesar Singh, A/o Fazilpur.
(Transferee)

(2) (1) Shri Surjit Singh etc. ss/o Shri Sucha Singh, village Alam Shah, Teh. Fazilka.

(2) Shri Ram Singh etc. ss/o Shri Bishan Singh &

(3) Shri Gurcharan Singh etc. ss/o Shri Kishan Singh, village Alam Shah, Teh. Fazilka.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-193/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Alam Shah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals and 10 marlas in village Alam Shah as mentioned in sale deed No. 2390 of Nov. 1977 registered with the S. R. Fazilka.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-194/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chanan Singh s/o Shri Hazara Singh alias Hazura Singh, s/o Shri Khazan Singh, Patti Sada, Jaitu.
(Transferor)

(2) S/Shri Sadhu Singh, Atma Singh, Teja Singh ss/o Shri Kheta Singh, Patti Sada, Jaitu.
(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Bighas and 15 Biswas at Jaitu as mentioned in sale deed No. 1037 of Dec, 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-195/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at V. Mehkam Arai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Madan Lal, Walaiti Ram & Kharaiti Lal s/o Shri Bhagwan Dass & Shri Bhagwan Dass through Shri Om Parkash, R/o Jallalabad, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Shri Hira Singh, R/o village Chhang Higher Rai, Teh. Fazilka.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 Kanals and 10 marlas in village Mehkam Arai as mentioned in sale deed No. 2628 of Dec., 1977 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-196/PZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at vill. Thehik Landar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Jang Singh s/o Shri Kishan Singh, R/o Mauja Thehik Landar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagsir Singh, Raghbir Singh ss/o Shri Harbans Singh, s/o Shri Shamsher Singh, village Thehik Landar, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 16 marlas in village Thehik Landar as mentioned in sale deed No. 2179 of Nov., 1977 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-187/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o Shri Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents, Grain Market, Mandi Abohar.
[Signature] (Transferee)
- (2) Shri Parma Nand s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri Panna Ram, R/o Gali Dangar Hospital Wali Abohar.
[Signature] (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1262 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-188/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o Shri Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents, Grain Market, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Parma Nand s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri Panna Ram, R/o Gali Dangan Hospital Wali, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1582 of Nov. 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

(1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents, Grain Market, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri Panna Ram, R/o Gali Dangar Hospital Wali, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-189/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Abohar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

16—86 GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1256 of Sept. 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Lajwanti wd/o Shri Banwari Lal, Chawla, Street, Fazilka.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amriti Devi w/o Shri Pokhar Ram, R/o vill. Gumzal, Teh. Fazilka.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-190/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Gumzal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72 Kanals and 17 marlas situated in village Gumzal as mentioned in sale deed No. 1856 of Dec., 1977 registered with the S.R. Abohar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Sohan Singh
R/o vill. Bhagi Ke, Teh. Moga.

(Transferor)

(2) S/Shri Jalour Singh, Joginder Singh, Mohinder Singh,
ss/o Shri Jail Singh s/o Shri Sucha Singh and
S/Shri Jaspal Singh, Gahal Singh, Ranjot Singh
ss/o Jarnail Singh s/o Sucha Singh, Vill. Bhagi Ke,
Teh. Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-191/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Bhagi Ke (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on Oct. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land measuring 25 Kanals and 13 marlas situated at village Bhagi Ke as mentioned in sale deed No. 1420 of Oct., 1977 registered with the S. R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-4-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-182/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand ss/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu, Distt. Faridkot.
(Transferor)

(2) Smt. Jashoda Devi w/o Shri Harbans Lal s/o Shri Banwari Lal, R/o Gali No. 3, H. No. 1062, Mandi Abohar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar as mentioned in sale deed No. 1328 of Sept., 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand
ss/o Shri Shiv Lal, Railway Rond, Jaitu, Distt.
Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Banwari Lal, R/o H.
No. 1062, Gali No. 3, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-183/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar
as mentioned in sale deed No. 1329 of Sept., 1977 registered
with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand
s/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu.
(Transferor)

(2) Shri Birma Nand s/o Shri Nanak Chand s/o Shri
Gheroo Lal, R/o Gali No. 1, New Abadi, Abohar.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-184/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar as mentioned in sale deed No. 1332 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand
s/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Nanak Chand s/o Shri Gheroo Lal s/o Shri
Ganga Ram, R/o Gadi No. 1, New Abadi, Abohar.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-185/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop at Abohar in Grain Market as mentioned in sale deed No. 1333 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-186/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Avtar s/o Shri Sirj Chand s/o Shri Hazari Lal, R/o Jaitu, Distt. Faridkot. (Transferor)
- (2) Smt. Lila Devi w/o Shri Laxmi Narain and Smt. Saroj Bala w/o Shri Hukam Chand c/o M/s Khushi Ram Inder Sen, Grain Mandi, Kot Kapura. (Transferee)
- (3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A shop in Grain Mandi, Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2097 of Sept., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sahib Ram s/o Shri Kahn Ram, village Dharmputra, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash s/o Shri Lal Chand, R/o village Dharmputra, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref No AP-197/FZK/78-79 —Whereas, I, P. N. MALIK being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Dharmputra (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazilka in Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118 Kanals in village Dharmputra, mentioned in sale deed No 1251 of 1977 registered with the S R Abohar

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 3-5-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely :—

17—86GI/78

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

**GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP-198/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot in Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Rajinder Singh s/o Shri Sir Chand s/o Shri Hazari Lal R/o Jaitu, Distt. Faridkot.
(Transferor)

(2) Shri Mool Chand s/o Shri Bishan Dass, B-VI/110, Moti Bhau, Kot Kapura.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

A shop in Moti Bhau Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2426 of Oct., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 3-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Reshamjit Singh s/o Shri Thakur Singh,
village Domeli, Teh. Phillaur.
(Transferor)

(2) S/Shri Gurdev Singh, Prem Singh, & Kuldip Singh
s/o Shri Piara Singh, village Sohni, Teh. Phag-
wara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP-199/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Prempur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 Kanals and 18 marlas in village Prempur, Teh. Phagwara as mentioned in sale deed No. 1260 of Oct., 1977 registered with the S. R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 3-5-1978.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHALINDA**

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP200/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Kandwala Amarkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Birbal s/o Shri Dhanna Ram, R/o village Kandwala Amarkot, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Dharm Pal, Mani Ram Ranjit Ram, Dewan Chand, Bhanwar Lal ss/o Shri Mam Raj, R/o Kandh Wala Amarkot, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals and 8 marlas in village Kandh Wala Amar Kot, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 1475 of October, 1977 registered with the S.R. Abohar

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 3-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHALINDA**

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP201/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at village Dune Ke

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Jasbir Singh s/o Shri Surmukh Singh, R/o village Dune Ke, Teh. Moga Through Shri Charanjit Singh

(Transferor)

(2) Shri Hari Singh s/o Shri Dewan Singh, Shri Jagdish Kumar s/o Shri Hari Singh Through Shri Rup Lal & Sons, Rice Sheller, Ara Road, Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Kanal and 10 marlas in village Dune Ke as mentioned in sale deed No. 5318 of November, 1978 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-5-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 BHATINDA

Bhatinda, the 8th May 1978

Ref. No. 202/Phg/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Parkash Kumari w/o Parshotam Lal
 S/o Shri Gian Chand,
 13-A Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Kumar
 S/o Shri Hira Lal s/o Shri Salig Ram
 R/o Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Plot measuring 15 marla out of 13-A Model Town, Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 978 dated 2-9-78 registered with the S.R. Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

P. N. MALIK
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jatinder Singh S/o Dara Singh
R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Parmod Kumar s/o Shri Madan Lal
R/o 24-A Model Town,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—**(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette;**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.**THE SCHEDULE**Shopping property at Banga Road, Phagwara as mentioned
in Sale Deed No. 1104 dated 28-9-1977 registered with the
S.R. Phagwara.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balraj Duggal s/o Shri Chandu Lal
R/o Hadiabad, Phagwara.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

- (2) 1. Smt. Satya Wati
w/o Shri Dharam Patil
2. Smt. Shila Rani
w/o Shri Joginder Paul
3. Smt. Saroj Rani w/o Shri Bishamber Dass
R/o Mohalla Agnihotrian Hadiabad,
Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 206/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. AS PER SCHEDULE
situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Phagwara on 30-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA
of the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XLIV/34 Hadiabad Phagwara as mentioned
in Sale Deed No. 1115 dated 30-9-1977 registered with the
Sub Registrar, Phagwara.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 10-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mota Singh s/o Saru Singh
Building Sukhmani, Satnampura
Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Jagtar Singh s/o Shri Bhagat Singh,
H. No. 55, Satnampura,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 204/Phg/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE
situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Phagwara on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55, Satnampura, Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 1010 dated 7-9-1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 205/Phg/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE
situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 28-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

- (1) Smt. Kartar Kaur w/o Shri Sohan Singh V. Paddi Matwali Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Balraj Kumar s/o Chandu Lal Shi Janak Raj s/o Shri Balraj Kumar House B XXX/53, Nehru Nagar, Phagwara. (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House B-XXX/53, Nehru Nagar, Phagwara as mentioned in the Sale Deed No. 1105 dated 28-9-1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-5-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kalyan Kumar Mitra
No. 9B, Hindusthan Road,
P.S. Ballygunj, Calcutta-19.

(Transferor)

(2) Shri Sujit Mukherjee,
No. 20, Fern Road,
Calcutta-19.

(Transferee)

(3) Shri Kalyan Kumar Mitra,
No. 9B, Hindusthan Road,
P.S. Ballygunj, Calcutta-19.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1978

Ref. No. Ac-6/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 420, situated at Parnasree Pally, P. S. Behala Calcutta-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Alipore Sadar 24-Prgns on 22-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 9-cottahs, 4-chittaks and 43 sq. ft. with building at premises No. 420, Parnasree Pally, P. S. Behala, Calcutta-60.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-5-1978

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1978

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
 bearing No.
 23A/170 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta.
 (and more fully described in the Schedule
 annexed hereto), has been transferred
 under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
 Registrar of Assurances, Calcutta on 23-9-1977
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of section 269D of the said Act, to the following per-
 sons, namely:—

(1) Kalyan Kumar Nag,
 Flat No. 28, Central Govt. Officers' Quarter No. 30,
 Belvedere Road, Alipore,
 Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Shi Mohanlal Bagaria,
 2. Smt. Bimla Bagaria,
 3. Sri Rajendra Bagaria,
 4. Sri Rajesh Bagaria,
 5. Sri Avishek Bagaria and
 6. Sri Anurag Bagaria,
 All of 13-B, St. Georges Terrace,
 Calcutta.

(Transferee)

(4) Sri Kalyan Kumar Nag,
 Flat No. 28, Central Govt. Officers' Quarter No. 30,
 Belvedere Road, Alipore,
 Calcutta.

(Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
 defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

THE SCHEDULE

Divided Northern portion of 23A/170, Diamond Harbour
 Road, Calcutta, measuring 500 square metres of vacant
 land.

R. V. LALMAWIA
 Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-II,
 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
 Calcutta-16.

Date : 5-5-1978

Seal : .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Kamoda Ranjan Bhattacharjee
27-B, Baishnabghata Bye Lane,
Calcutta-47.

(Transferor)

(2) Smt. Chinu Bhattacharjee
No. 2, Rammagar Road,
P.S. Agartala, Tripura.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 9th May 1978

Ref. No. 404/Acq.R-III/78-79/Cal/234.—Whereas, I, KISHORE SEN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

27H situated at Baishnabghata Bye Lane, Calcutta-47 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 30-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 4 chittacks 10 sq. ft. together with two storied building situated at premises No. 27H, Baishnabghata Bye Lane, P.S. Jadavpur, Calcutta-47, as per deed No. 1-2879 of 1977 registered before the Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 9-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Prakash Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1978

Ref. No. S-161/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th share in property No. 38-B/1 situated at Mohalla Mahmoorganj including Aarazi No. 221, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 7-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Sanjay Kumar and Vinay Kumar
Minor sons of Lachhman Das Agarwal
(Transferee)

(3) Above vendor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. B-38/1 situated at Mohalla Mahmoorganj, Varanasi including part of Aarazi No. 221 upon which the house is situated at Village Tulsipur, Parg. Dehat Amanat, Varanasi measuring 1063 sqm.

And all that which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1 5036 dated 7-9-77 at the office of Sub-Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-4-1978

Seal :

FORM ITNS ——

(1) Shri Jitendra Kumar Gupta (Minor)
Through Mata Parsad,
(Transferor)

(2) S/Shri Sanjay Kumar and Vinay Kumar
Minor sons of Lachhman Das Agarwal
(Transferee)

(3) Above vendor.
(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1978

Ref. No. 162-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-38/1 situated at Village Tulsipur, Parg Dehat Amanat, Mahmoorgaj, Varanasi described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the property house No. B-38/1 situate at Mohalla Mahrajganj, Varanasi Aarazi No 221 upon which the house situate at Village, Tulsipur, Parg. Dehat Amanat District Varanasi measuring 1603 Sqmts.

And all that which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1 5034 dated 7-9-77 registered at the office of the Sub Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-4- 1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th May 1978

Ref. No. 207/GSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Paddi Sura Singh & Possi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Garh-Shankar on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Wattan Singh s/o Khushal Singh s/o Jaimal Singh R/o V. Paddi Sura Singh Teh. Garh-Shankar, (Hoshiarpur).

(Transferor)

(2) Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Wattan Singh s/o Sh. Khushal Singh R/o Paddi Sura Singh Singh Teh. Garh-Shankar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)

(4) any other person interested in the property.
(Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Agricultural lands at V. Paddi Sura Singh & Village Possi Teh. Garh-Shankar Distt. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1981 dated 12-9-1977 registered with the S.R. Garh-Shankar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-5-1978

Seal :